दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः गुरूवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 233 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरूवार 24 अगस्त 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

चन्द्रविजयः इसरो के चन्द्रयान-3 ने रचा इतिहास, किया सैफ लैंडिग

चंद्रयान ने चंद्रमा पर बर्फ और पानी की पुष्टि की

चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत बना पहला देश

पीएम मोदी ने दी शुभकामना,बोले- हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया

बेंगलुरु/एजेंसी।

चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल (एलएम) आज बुधवार की शाम चंद्रमा की सतह पर उतर गया।भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल ने शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग की।

» पीएम मोदी ने दी शुभकामना,बोले– हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया

प्रधानमंत्री ने कहा,मेरे प्यारे परिवारजनो! जब हम अपनी आंखों के सामने ऐसा इतिहास बनते हुए देखते हैं तो गर्व होता है। ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं राष्ट्र जीवन की चेतना बन जाती हैं।यह पल अविस्मरणीय है। यह क्षण अभूतपूर्व है। यह क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है। यह क्षण नए भारत के जयघोष का है। यह क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है। यह क्षण जीत के चंद्रपथ पर चलने का है। यह क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है। यह क्षण भारत की नई ऊर्जा,नई चेतना का है।यह क्षण भारत के उदीयमान भाग्य के आ''न का है। अमृतकाल की प्रथम प्रभा में सफलता की अमृत वर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चांद पर उसे साकार किया।'

उन्होंने कहा,आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। हर घर में उत्सव शुरू हो गया है। हृदय से मैं भी अपने देशवासियों के साथ अपने परिवारजनों के साथ इस उमंग और उल्लास से जुड़ा हुआ हूं। मैं टीम चंद्रयान को,इसरो को और देश के सभी वैज्ञानिकों को जी-जान से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जिन्होंने इस क्षण के लिए वर्षों से इतना परिश्रम किया। हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम से भारत उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है,जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है। आज के बाद से चांद से जुड़े मिथक बदल जाएंगे,कथानक भी बदल जाएंगे और नई पीढ़ी के लिए कहावतें भी बदल जाएंगी।भारत में तो हम सभी लोग धरती को मां कहते हैं और चांद को मामा बुलाते हैं। कभी कहा जाता था कि चंदा मामा बहुत दूर के हैं,अब एक दिन वो भी आएगा, जब बच्चे कहा करेंगे कि चंदा मामा बस एक टूर के हैं।

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग सफल हो गई है। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बन गया है। इसी के साथ भारत ने इतिहास रच दिया है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में शराबबंदी हटाने वालों को वोट दें: मांझी

पटना/एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने लोगों से अपील की कि वे केवल उन्हें वोट दें जो राज्य में शराब पर प्रतिबंध हटाएंगे। गया जिले के मंगरावा महादलित टोला गांव में लोगों को संबोधित करते हुए हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) प्रमुख ने कहा कि राज्य में पिछले सात वर्षों से शराब पर प्रतिबंध है और इस कानून के कारण केवल गरीब लोगों को दंडित किया जा रहा है। मांझी ने कहा, हर कोई जानता है कि अधिकांश आईएएस, आईपीएस अधिकारी, डॉक्टर, बिल्डर, ठेकेदार, मंत्री और राजनीतिक नेता रात 10 बजे के बाद शराब का सेवन करते हैं, लेकिन उन्हें दंडित नहीं किया जाता। दूसरी ओर, गरीब मजदूर जो दिनभर की मेहनत के बाद शराब पीते हैं, वे अपराधी बन जाते हैं, क्योंकि वे पुलिस और उत्पाद शुल्क विभाग के लिए आसान निशाना बन जाते हैं1 मांझी ने कहा, पुलिस और उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने मंगरावा महादलित टोले में गरीब लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मैं लोगों से अपील करना चाहता हूं कि वे केवल उसी को वोट दें जो 'ताड़ी' (ताड़ का रस) और शराब पर प्रतिबंध हटाएगा। उन्होंने कहा, शराबबंदी लागू होने के बाद से 5 लाख से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है,

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

65,953.48+232.23 (0.35%)

निफ्टी

19,597.30+80.30 (0.41%)

15वें ब्रिक्स समिट में बोले पीएम नरेन्द्र मोदी

एक धरती, एक परिवार और एक भविष्य के लिए सबका साथ जरूरी

जोहान्सबर्ग/एजेंसी।

साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15वें ब्रिक्स समिट को संबोधित किया. पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, ब्रिक्स को भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाने के लिए हमें अपने संबंधित समाजों को भी भविष्य के लिए तैयार करना होगा. प्रौद्योगिकी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. पीएम मोदी ने कहा, ₹एक धरती, एक परिवार और एक भविष्य के लिए हम सभी देशों के साथ काम कर रहे हैं. हमने अफ्रीकी यूनियन को जी-20 की स्थायी सदस्यता देने का सुझाव रखा है. इससे उनका आत्मबल और बढ़ेगा. हम ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन करते हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- ₹हम विकास यात्रा में सहयोग कर सकते हैं. ब्रिक्स के सभी देशों को साझा प्रयास करना चाहिए. ट्रेडिशनल मेडिसिन की दिशा में ब्रिक्स देशों को सहयोग करना चाहिए. यह समय की जरूरत भी है.

पीएम मोदी ने कहा, जोहान्सबर्ग जैसे खूबसूरत शहर में एक बार फिर आना मेरे और मेरे प्रतिनिधिमंडल के लिए खुशी की बात है. इस शहर का भारतीयों और भारतीय इतिहास से गहरा और पुराना रिश्ता है.

झारखंड में एक बार फिर ईडी ने दी दस्तक, शराब घोटाला मामले में 30 ठिकानों पर मारा छापा

रांची/एजेंसी। झारखंड में शराब घोटाले में छापेमारी का सिलसिला जारी है। बुधवार को ईडी ने यहां 30 ठिकानों पर छापेमारी की है। रांची के हरमू के साथ-साथ दुमका और देवघर में भी एक साथ रेड मारी गई है। ये कार्रवाई शराब घोटाले को लेकर की गई है। रांची में मंत्री रामेश्वर उरांव, तिवारी ब्रदर्स सहित कई लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। मंत्री रामेश्वर उरांव के रांची स्थित आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि रांची में कुल सात जगहों पर ईडी रेड कर रही है। जामताड़ा में भी छापेमारी चल रही है। वहीं देवघर में कुल आठ जगहों पर रेड मारी गई है। दुमका शहर में अलग-अलग पांच जगहों पर ईडी की छापेमारी चल रही है,

शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी के सात ठिकानों पर ईडी का छापा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड में बड़े पैमाने पर शराब घोटाला हुआ है. इस घोटाले में एक नाम काफी सुर्खियों में है. जब सत्ता का संरक्षण किसी पर होता है तो वह दिन दोगुनी और रात चौगुनी तरक्की करने लगता है. इसपर यह कहवात सटीक बैठती है जब सैया भइल कोतवाल तो फिर डर काहे का,ऐसा ही कुछ योगेंद्र तिवारी को भी लगता है. तभी तो फर्जी शेल कंपनी के जरिए शराब का टेंडर खुद लिया और उसके बाद घोटाले की शुरुआत कर दी.आखिर कैसे लोहा कारोबार से झारखंड का बड़ा शराब कारोबारी बन गया. अब इससे पर्दा ई डी उठाएगी.यंहा बता दे कि योगेंद्र तिवारी मूल रूप से जामताड़ा के मिहिजाम के रहने वाले हैं. इनके पिता चितरंजन लोकोमोटिव में कार्यरत थे. दुमका के एसपी कॉलेज से लॉ की डिग्री लेने वाले योगेंद्र तिवारी शुरू में लोहा के कारोवार से जुड़े थे. उसके बाद शराब के कारोबार से जुड़े और देखते ही देखते इतनी कम उम्र में शराब कारोबार में साम्राज्य कायम कर लिया. उसके बाद तो बालू का व्यवसाय हो या फिर जमीन कारोबार सब जगह एक ही नाम सुनाई पड़ने लगा योगेंद्र तिवारी. दुमका में देखें तो मैहर गार्डन, गिलान पाड़ा में घर, पोस्टमार्टम हाउस के समीप प्लाट सहित कई जगहों पर संपत्ति अर्जित कर रखा है.योगेंद्र तिवारी को राजनीतिक संरक्षण भी मिला. कहा जाता है कि शुरुवाती दौर में बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता का संरक्षण मिलता रहा. झारखंड में वर्ष 2019 में हेमंत सोरेन की सरकार बनने के बाद एक बार मिहिजाम थाना की पुलिस ने योगेंद्र तिवारी को हिरासत में भी लिया था लेकिन दिन भर रखने के बाद छोड़ दिया. इस दौरान जामताड़ा से लेकर दुमका तक उसके शराब दुकान पर पुलिस ने दबिश दी थी. फिर सब कुछ सामान्य हो गया. झारखंड में शराब घोटाला का मामला सामने आने पर एक बार फिर योगेंद्र तिवारी चर्चा में हैं और ईडी की कार्यवाई जारी है.

दरअसल बुधवार की सुबह ईडी ने एक साथ रांची,दुमका,धनबाद और गोड्डा में धमक दी है. इस बार शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी और उनके करीबियों के यहां सुबह से ही ईडी की टीम छापेमारी कर रही है. पूरे झारखंड में दो दर्जन से ज्यादा जगहों पर एक साथ ईडी ने कार्रवाई शुरू की है. दुमका में टाटा शो रूम स्थित तनिष्क शो रूम, खिजुरिया स्थित तिवारी ऑटोमोबाइल, गिलान पाड़ा स्थित शराब गोदाम, कुम्हार पाड़ा स्थित पप्पू शर्मा, अनिल सिंह और डंगाल पाड़ा स्थित एक व्यक्ति के घर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है. तनिष्क शो रूम और तिवारी ऑटोमोबाइल योगेंद्र तिवारी के जुड़वां भाई डॉ जोगेंद्र तिवारी का बताया जा रहा है जबकि शेष व्यक्ति शराब व्यवसाय से जुड़े सहयोगी है.

उपायुक्त ने धानभाषा पंचायत के मतदान केन्द्र संख्या - 181 और 182 का किया निरीक्षण

मतदाताओं से बात कर मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण 2023 के संबंध में ली जानकारी-उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे द्वारा रानेश्वर प्रखण्ड अन्तर्गत धानभाषा पंचायत के मतदान केन्द्र संख्या - 181 और 182 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदाता सूची का पन्ना वेरीफिकेशन एवं डोर टू डोर सर्वे कार्यों के बारे में जानकारी ली। साथ ही बीएलओ द्वारा किए जा रहे घर-घर सत्यापन का भी जांच किया गया। जिसमें घर में स्टीकर चिपकाने, मतदाताओं को करेक्सन पर्ची देने, बीएलओ रजिस्टर में मतदाताओं से हस्ताक्षर लेने, अहर्ताधारी नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज करने हेतु प्रपत्र 6 में आवेदन लेने, डबल नाम/ स्थानीय रूप से स्थानांतरण/ मृतक मतदाताओं का नाम हटाने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त कर विलोपित करने हेतु प्रपत्र - 7 लेने,नाम संशोधन/ स्थानांतरण हेतु प्रपत्र 8 लेने एवं ब्लैक एंड व्हाइट एवं न्यून गुणवत्ता वाले मतदाताओं का रंगीन फोटो में परिवर्तित करने के साथ-साथ प्रपत्र 6बी से आधार लिंक करने का निर्देश दिया गया। साथ ही मतदाताओं से बात कर मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण 2023 के संबंध में जानकारी ली।

निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, दुमका द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्दर हाउस टू हाउस सर्वे कार्य को पूरा करने का निदेश दिया गया। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी रानेश्वर को नए बीएलओ को मतदाता प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस प्रांजल ढाढा, प्रखंड विकास पदाधिकारी रानेश्वर,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, बीएलओ एवं अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालुओं ने कहा- सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा

- चंद्रयान-3 चंद्रमा पर लैंडिंग का सीधा प्रसारण मेला क्षेत्र में लगे एलईडी स्क्रीन पर किया गया

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2023 के दौरान बासुकीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में बड़ी संख्या में एलईडी टीवी तथा एलईडी स्क्रीन का अधिष्ठापन किया गया है।लंबी यात्रा कर बासुकीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में लगे एलइडी टीवी तथा एलईडी स्क्रीन महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ साथ मनोरंजन का भी कार्य करता है।इसी क्रम में मेला क्षेत्र में लगे एलईडी स्क्रीन तथा टीवी के माध्यम से चंद्रयान-3 के लैंडिंग का सीधा प्रसारण श्रद्धालुओं को दिखाया गया।श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव और भारत माता की जय के नारे भी लगाए।देश के विभिन्न राज्यों से आये श्रद्धालुओं ने कहा कि सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा।

पूर्व मंत्री ने लिया कार्यक्रम स्थल का कार्यकर्ताओं के साथ तैयारी का जायजा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी कि संकल्प यात्रा की तैयारी दुमका विधासभा सहित जामा विधानसभा क्षेत्र शिकारीपाडा ,जारमुंडी विधानसभा क्षेत्र में तैयारी जोरों पर है पूर्व मंत्री लुईस मरांडी ने दुमका विधानसभा के अटल चौक मुड़ाबहाल कार्यक्रम स्थल का कार्यकर्ताओं के साथ तैयारी का जायजा लिया और कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिया है कार्यकर्ताओं से उन्होंने कहा की कार्यक्रम में कोई कसर नही रहे लुईस मरांडी ने कहा की बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा से कार्यकर्ताओं जबर्दस्त उत्साह है पूर्व जिला अध्यक्ष निवास मंडल, सहित प्रमुख नेता मौजूद थे उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल ने दी।

108222 श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 23 अगस्त को 108222 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 1802 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।शीघ्र दर्शनम से 5,40,600 रुपये प्राप्त हुआ।दान पेटी से 79380 रुपये,गोलक से 33720 रुपये तथा अन्य स्त्रोत से 9305 रुपये प्राप्त हुए। हुए।चांदी का सिक्का 10 ग्राम 2 पीस बिका है ।

उपायुक्त ने रानेश्वर प्रखंड के अंतर्गत मध्य विद्यालय का किया निरीक्षण कहा-

मध्याह्न भोजन, बच्चों की पढ़ाई और साफ- सफाई पर दे विशेष ध्यान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे द्वारा रानेश्वर प्रखण्ड अन्तर्गत मध्य विद्यालय धानभाषा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सभी बच्चों को फुल यूनिफॉर्म में देखकर प्रसन्नता जाहिर की।उन्होंने वहां के बच्चो से बातचीत की एवं शिक्षा की गुणवत्ता देखी। सभी शिक्षकों को बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते हैं पठन-पाठन में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तभी संभव है जब आप ईमानदारी से पढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में रूटीन एवं सभी संचिका अनिवार्य रूप से संधारित करेंगे।उपायुक्त ने कहा कि मध्याह्न भोजन में सफाई पौष्टिकता एवं स्वच्छता का ध्यान रखेंगे। उन्होंने बच्चों को मध्याह्न भोजन समय पर देने एवं विद्यालय को साफ सुथरा रखने हेतु निर्देशित किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा में उन्नति, कार्य दक्षता में सुधार एवं बच्चों का सर्वांगीण विकास करना निरीक्षण का उद्देश्य है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों सहित सभी पदाधिकारियों को इसके लिए तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहने का निदेश दिया।मौके पर प्रशिक्षु आईएएस प्रांजल ढाढा, प्रखंड विकास पदाधिकारी रानेश्वर,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, शिक्षक एवं अन्य उपस्थित थे।

आसनबनी मध्य विद्यालय के पास से बालू लदा ट्रेक्टर जब्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार के निर्देशानुसार दुमका पुलिस बालू के अवैध खनन एवं परिवहन पर लगातार कार्रवाई कर रही है।इसी क्रम में रानीश्वर थाना प्रभारी छोटन महातो ने मंगलवार के देर शाम आसनबनी मध्य विद्यालय के पास से बालू लदे एक ट्रेक्टर को जब्त किया है।जब्त ट्रेक्टर को थाना परिसर में लाकर रखा गया है। मामले में थाना प्रभारी छोटन महातो ने बताया कि मंगलवार को अवैध रूप से बालू का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया है एवं आवशचक करवाई हेतु जिला खनन पदाधिकारी एवं जिला परिवहन पदाधिकारी को लिखित सूचना दी गई है।

कुलपति के अध्यक्षता में आईक्यूएसी की बैठक हुई

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बुधवार को सिदो कान्हू मुर्मू विवि के कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आईक्यूएसी की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गयी. बैठक में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. निलेश कुमार सहित स्नातकोत्तर विभाग के सभी शिक्षक शामिल हुए. बैठक में सर्वप्रथम नेक का सात मानदंड पर चर्चा किया गया और उसका प्रगति रिपोर्ट प्राप्त किया गया. आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. निलेश कुमार ने विस्तार से उपस्थित सभी सदस्यों को नेक मूल्यांकन सम्बन्धित वर्तमान स्थिति के बारे में बताया. बैठक के अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि कोरोना के बाद विश्वविद्यालय में बहुत से अच्छे काम हुए है इसका परिणाम हम सभी को अच्छे ग्रेड के रूप में अवशच्य मिलेगा. कुलपति ने उपस्थित सभी शिक्षकों से कहा की हमारी सामूहिक प्रयास से ही विश्वविद्यालय का ग्रेड अच्छा हो सकता है हम सभी को साथ मिलकर काम करना होगा.

बैठक में कार्यक्रम में सभी संकाय के संकायाध्यक्ष, सभी स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय में किया गया चंदयान-3 लैंडिंग का लाइव प्रसारण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के वीसी कांफ्रेंस हॉल में चंदयान-3 लैंडिंग का लाइव प्रसारण किया गया. इस ऐतिहासिक पल के साक्षी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. विमल प्रसाद सिंह, डीएसडब्लू डॉ. संजय कुमार सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार सिन्हा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, डॉ. बिजय कुमार, डॉ. विनोद कुमार शर्मा, डॉ. संभु सिंह, डॉ. निरंजन मंडल, दीपक कुमार, नेतलाल, मनीष आदि बने.

चंद्रयान-3 लैंडिंग का लाइव प्रसारण स्कूल के बच्चों ने उत्साह पूर्वक देखा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। चंद्रयान 3 सफलतापूर्वक चांद पर लैंड कर गया जिसे उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनकाठी स्कूल के बच्चों में उत्साह पूर्वक देखा। लैंडिंग के समय बच्चे काफी घबराए हुए थे और मन में यह विचार उठा था की कितना अच्छा से चांद पर लैंडिंग हो जाए और अभी-अभी चांद पर लैंडिंग हो गया ।यहां के प्रधानाध्यापक डॉ शचाम किशोर सिंह गांधी ने भारत माता की जय और वंदे मातरम का स्लोगन देते हुए कहा कि चांद से हमारा बहुत पुराना रिश्ता रहा है हमारे दादा-दादी नाना नानी बच्चा में यह गीत सुनाते थे चंदा मामा दूर के पुए पकावे गुड़ के यह हम लोग बचपन से सुनते आ रहे हैं ।आज हम लोग काफी उत्साहित हैं। जो हमारा देश हमारे देश के वैज्ञानिक पर हमारे देश के प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को सपोर्ट किया जिस कारण भारत जो है वह चंद्रमा पर चंद्रयान स्थापित करने में कायम हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक दीपक कुमार दुबे, दीपक पंजियारा और भारती फाउंडेशन के दीपक कुमार सिंह उपस्थित थे।

सहियाओं के प्रोत्साहन राशि वितरण में अनियमितता व अवैध राशि उगाही मामले में डीसी के निर्देश पर हुई जांच

सहियाओ को एक सप्ताह के अंदर प्रोत्साहन राशि व अवैध वसूली की राशि वापस कराने का दिया निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

एमडीए कार्यक्रम के तहत फरवरी 2023 में फलेरिया रोधी दवा खिलाने के कार्यक्रम में शामिल सहियाओं के प्रोत्साहन राशि वितरण व सहियाओं से अवैध राशि उगाही मामले में मिली शिकायत पर उपायुक्त द्वारा सहायक समाहर्ता डॉ. कृष्णकांत कनवाड़िया(भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी का संयुक्त जांच दल गठित कर मामले की जांच करायी गई। जांच के क्रम में मामला सही पाया गया। जांच पाया गया कि ऐसी अनियमितता पाकुड़ सदर, हिरणपुर एवं लिट्टीपाड़ा में बड़े पैमाने पर की गई है। जांच दाल द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिरी एवं सभी पर्यवेक्षकों से पूछताछ की गई। पूछताछ के क्रम में बीटीटी अंगद पांडेय द्वारा स्वीकार किया गया कि उनके द्वारा 20 सहियाओं से प्रोत्साहन राशि भुगतान के एवज में प्रत्येक से 1500 रूपये कर अवैध वसूली गई

- **उपायुक्त ने कहा नियम विरूद्ध कार्य करने वालों पर हर हाल में होगी कार्रवाई**

है। ऐसा ही कार्य पर्यवेक्षक मोहम्मद हफीजुर रहमान द्वारा भी किए जाने की बात सामने आयी है। वहीं जांच के क्रम में यह भी बात सामने आयी है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों द्वारा भी नियम विरूद्ध कार्य करते हुए सहियाओं के खाते में राशि उपलब्ध कराने के बजाय पर्यवेक्षकों को राशि उपलब्ध कराया गया है। जांच के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों ने अपनी गलती भी स्वीकार किया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक सप्ताह के अंदर प्रोत्साहन राशि अविलंब सहियाओं के बैंक खाते में भुगतान करने व वसूली गई राशि को संबंधित पर्यवेक्षकों से संबंधित सहियाओं के बैंक खाते में वापस कराने का निर्देशस सीएस को दिया है। वहीं उपायुक्त द्वारा अवैध वसूली पर कड़ी कार्रवाई करते हुए राशि वसूली में संलिप्त पर्यवेक्षकों को कार्यमुक्त करने के लिए कार्रवाई का भी निर्देश सीएस को दिया गया है। वहीं उपायुक्त ने कहा कि प्रोत्साहन राशि का भुगतान एवं वसूली की गई राशि की वापसली एक सप्ताह के अंदर नहीं करने वाले पर्यवेक्षकों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी हाल में नियम विरूद्ध कार्य बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी हो या फिर कर्मी शिकायत मिलने पर उनकी जांच होगी। जांच सही पाए जाने पर हर हाल में कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त समाचार

नेटवर्क की समस्या से राशन वितरण बाधित

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। नेटवर्क की समस्या के कारण बीते कई दिनों से प्रखंड में लाभुकों के बीच किये जा रहे राशन वितरण बाधित हो रहा है। जिसकारण लाभुकों को बैरंग वापस होना पड़ रहा है। प्रखंड के 49 जन वितरण दुकानदारों को आपूर्ति विभाग द्वारा अगस्त माह की खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया था। पर विभाग की तकनीकी कारणों से राशन वितरण बाधित रहा। इसके बाद पीडीएस डीलरों द्वारा राशन वितरण प्रारम्भ करने पर नेटवर्क की भारी समस्या आ पड़ी। विलम्ब से वितरण कार्य प्रारम्भ होने के कारण पीडीएस दुकानों में राशनकार्ड धारकों की तांता लगा रहा। पर नेटवर्क की समस्या के कारण वितरण कार्य अधर में पड़ा रहा। विडम्बना यह है कि विभाग द्वारा डीलरों को दिए गए ईपोस मशीन में टू जी एयरटेल सिम लगा हुआ है। जिसकारण वितरण कार्य लक्ष्य अनुरूप नही हो पा रहा है। सबसे कठिन समस्या सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित पीडीएस डीलरों को झेलना पड़ रहा है। जहाँ नेटवर्क की भारी समस्या है। वही नए नियमो के अनुसार इपोस मशीन को अन्यत्र ले जाकर ऑनलाइन कार्य करना सम्भव नही है। राशन वितरण न हो पाने के कारण डीलरों को लाभुकों की कोपभाजन होना पड़ रहा है। डीलरों ने अपनी समस्याओं को रखते हुए कहा कि नेटवर्क की समस्या के कारण राशन वितरण नही हो पाता है। जिसकारण लाभुकों की नाराजगी झेलना पड़ रहा है। वही वितरण को लेकर भी विभागीय दबाव रहता है। इस सम्बंध में एयरटेल कम्पनी के अभियंता रंजन यदुवंशी से सम्पर्क करने पर बताया कि जल्द ही नेटवर्क व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया जाएगा। इसको लेकर कार्य किया जा रहा है। वही प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राम कुमार साहा ने बताया कि नेटवर्क समस्या की सूचना निरन्तर मिल रही है। इसको लेकर वरीय पदाधिकारी को अवगत करा दिया गया है। जल्द ही इसे सुचारू कर दिया जाएगा।

विद्यालय मे छात्राओं का स्वास्थ्य जांच हेतु हुआ शिविर का आयोजन

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड मुख्यलय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बुधवार को छात्रों का स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मुकेश बेसरा के द्वारा बच्चियों का शारीरिक जांच कर दवाई के साथ स्वास्थ सलाह भी दी गई. डॉ मुकेश बेसरा ने बताया की मौसम के बदलाव के साथ साथ क्षेत्र में अनेक प्रकार का बीमारी भी हो रहा है. इसी को देखते गए विद्यालय के सभी बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया गया. जिसमें सर्दी, खांसी, बुखार, पेट दर्द, कमर दर्द, आयरन कैल्शियम की कमी सहित मौसमी बीमारी का जांच कर लक्षण पाए जाने वाली दर्जनो छात्रों को दवा दिया गया. साथ ही शिविर कर माध्यम से बच्चियों को स्वास्थ सलाह उपस्थित स्वास्थ कर्मियों के द्वारा दिया गया . साथ ही साफ-सफाई रखने, खानपान पर नियंत्रण रखते हुए ताजा भोजन साग, सब्जी, फल, दूध का अधिक से अधिक सेवन करने की सलाह दी गई. मौके पर वार्डन सहित स्वास्थ कर्मी उपस्थित थे.

कालाजार उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे छिड़काव कार्य का किया गया निरीक्षण

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड क्षेत्र में कालाजार उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे आईआरएस छिड़काव कार्य का निरीक्षण किया बुधवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर मुकेश बेसरा के द्वारा किया गया. निरीक्षण क्रम में उन्होंने लिट्टीपाड़ा एवं धूदापहाडी गांव का निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में आईआरएस छिड़काव दल के सदस्यों से जानकारी लिया. साथ ही कर्मियों को घर-घर जाकर ग्रामीणों को आईआरएस छिड़काव के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया.

उषादेवी सरस्वती शिशु मंदिर में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। उषादेवी सरस्वती शिशु मंदिर पाकुड़िया में बुधवार को गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानाचार्य नीरज कुमार तिवारी ने संत तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर विद्यालय में प्रांतीय स्तर के निबंध, चित्रकला और सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें विद्यालय के भैया बहनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । आगे, विद्यालय के भैया बहनों ने मनमोहक भजन के साथ-साथ भाषण प्रस्तुत कर अपनी भावनाएं प्रकट की । इस शुभ अवसर पर प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन के जरिये तुलसीदास जी के जीवनी पर प्रकाश डाला । वहीं उनके दोहे के बारे में वर्णन करते हुए कहा कि धर्म दया भावना से उत्पन्न होता है और अभिमान जो सिर्फ पाप को ही जन्म देता है,जब तक मनुष्य के शरीर में प्राण रहते हैं तब तक मनुष्य को दया भावना कभी नहीं छोड़नी चाहिए,पुरुषोत्तम श्री राम के सबसे बड़े भक्तों में एक संत तुलसीदास ने अनेक ग्रंथों यथा रामचरितमानस, कवितावली, दोहावली, जानकी मंगल की रचना की। कार्यक्रम के अंत में आचार्य निलय दास द्वारा शांति मंत्रोच्चारण के पश्चात कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

डीसी ने की मनरेगा व आवास योजना की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने किया मनरेगा व आवास योजना की समीक्षा। सबसे पहले उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने मनरेगा योजना अंतर्गत मानव दिवस सृजन पर समीक्षा किया। अमड़ापाड़ा प्रखंड में कम मानव दिवस सृजन रहने पर उपायुक्त ने ग्रामीणों को दीदी बाड़ी योजना से आच्छादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर कचरा हटाने के लिए भी मनरेगा कारगार साबित हो सकता है, इसके लिए उप विकास आयुक्त को कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त दीदी बाड़ी योजना में काला चना की उपज करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि काला चना से पर्याप्त मात्रा में आयरन की पूर्ति होती है जो महिलाओं एवं बच्चियों में होने वाली एनीमिया को रोकने में मददगार बनेगा। एरिया ऑफिसर एप में निबंधित सभी पदाधिकारियों/पर्यवेक्षकों को योजना पर्यवेक्षण एप के माध्यम से प्रतिदिन करने हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त ने सभी गांवों में खेलने के लिए स्थल का चयन कर खेल मैदान विकसित करने हेतु वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना का क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। खेल मैदान में बनने वाली शौचालय में पानी की समुचित व्यवस्था करने पर भी ध्यान देने को कहा। बिरसा हरित ग्राम योजना फेज-1 एवं फेज-2 लक्ष्य की शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने, शत-प्रतिशत आधार सीडिंग करने, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना की स्वीकृति करने हेतु एक पक्ष का समय दिया गया। आंगनबाड़ी निर्माण में समाज कल्याण मद से प्राप्त आवंटन का अभिश्रव एवं मापी पुस्तिका डीआरडीए में अविलंब जमा करने का निर्देश दिया। मेरी माटी मेरा देश के तहत अमृत वाटिका एवं विद्यालयों में पोषण वाटिका की गहन समीक्षा किया। इसके अलावा उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में कार्य प्रगति की जानकारी ली। जिला समन्वयक निभा कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण, वित्तीय वर्ष 2016-22 अंतर्गत स्वीकृत कुल 71477 आवासों में से 69684 आवासों को पूर्ण कर लिया गया है। उपायुक्त ने शेष लंबित कुल 1793 आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना, वित्तीय वर्ष 2016-23 अंतर्गत स्वीकृत कुल 2503 आवासों में से 2421 आवास पूर्ण कर लिया गया है। उपायुक्त ने शेष लंबित कुल 82 आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना वित्तीय वर्ष 2023-24 अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य 330 इकाई आवासों को शत प्रतिशत स्वीकृत करने का निर्देश दिया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान, जिला समन्वयक निभा कुमारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी,एसएमपीओ पवन कुमार, सभी प्रखंड समन्वयक, समेत अन्य उपस्थित थे।

फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2024 के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा की

पाकुड़/झारखंड देखो। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने बुधवार को फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा की। पुनरीक्षण संबंधी सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित सभागार में बैठक की। उपायुक्त ने बैठक में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2024 के तहत हो रहे घर-घर सत्यापन का कार्य, बीएलओ रजिस्टर, करेक्शन स्लिप एवं डेथ केस,पुअर इमेज, ब्लैक एंड व्हाइट फोटो, रजिस्टर के माध्यम से मतदाताओं की विवरणी को शुद्धिकरण, पन्ना वेरिफिकेशन आदि कार्यो की समीक्षा की। उपायुक्त ने फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के कार्यो को ईआरओ जिम्मेवारी पूर्वक एवं तत्परता के साथ कर्तव्य निर्वहन करने का निदेश दिया। उन्होंने सभी ईआरओ, एईआरओ को तीन दिनों के अंदर सभी कार्यों को शत प्रतिशत को पूरा करने का निर्देश दिया। विदित हो कि मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 2024 कार्यक्रम के तहत सभी बीएलओ के द्वारा घर-घर सत्यापन का कार्य 21 जुलाई से 21 अगस्त तक, बीएलओ रजिस्टर के माध्यम से किया गया है। बीएलओ के द्वारा सत्यापन के क्रम में सभी घरों पर विभाग स्तर से प्राप्त बीएलओ स्टीकर को चिपकाते हुए भ्रमण की दो तिथियां अंकित करना है। इसके साथ ही जिला स्तर से उपलब्ध कराए गए करेक्शन स्लिप एवं रजिस्टर के माध्यम से मतदाताओं की विवरणी को शुद्ध करने का कार्य किया गया है। बीएलओ के माध्यम से संपादित कार्यों के पर्यवेक्षण एवं जांच हेतु विभाग स्तर से प्राप्त निदेशानुसार सभी पर्यवेक्षक, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के स्तर से मतदान केंद्रों में पन्ना वेरिफिकेशन एवं होम टू होम वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मतदाता पुनरीक्षण संबंधित गतिविधियों में प्रगति लाने का सख्त निदेश दिया है। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, सहायक समाहर्ता कृष्णकांत कनवाड़िया, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार दास, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे।

निजी सुरक्षा जवान भर्ती को लेकर थाना में शिविर आयोजित

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

सुरक्षा जवान व सुरक्षा सुपरवाइजर की भर्ती को लेकर बुधवार को हिरणपुर थाना परिसर में बुधवार को दो दिवसीय शिविर आयोजित हुई। भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद व सिक्युरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज लिमिटेड द्वारा आयोजित इस शिविर में भर्ती को लेकर कई युवक उपस्थित थे। प्रशिक्षण केंद्र धनबाद के कमांडेंट गौतम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हिरणपुर थाना परिसर में दो दिनों की केम्प आयोजित की गई है। इसमे इच्छुक युवाओ की शैक्षणिक प्रमाणपत्र कमसेकम मेट्रिक , आधार व फोटो ली जाएगी। चयनित युवकों की 28 अगस्त को धनबाद स्थित प्रशिक्षण केंद्र में ले जाया जाएगा। प्रशिक्षण एक माह की होगी। इसमे पंजीकरण को लेकर 500 रुपये देय होगा। वही प्रशिक्षण फीस 13500 रुपये जमा करना होगा। जिसमें प्रशिक्षण सहित आवासीय सुविधा, भोजन, वर्दी, जूता आदि दी जाएगी। प्रशिक्षण के उपरांत इन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन ने रामपुरहाट से बरहरवा तक स्पेशल ट्रेन चलाने हेतु को मांग पत्र सौंपा

पाकुड़/झारखंड देखो।

पूर्व रेलवे के कई स्टेशन के बीच इंटरलॉकिंग कार्य किए जाने को लेकर बरहरवा रामपुरहाट रेलखंड में 17 अगस्त से कई ट्रेन को रद्द कर दिया गया है या फिर मार्ग परिवर्तन कर दिया गया है और इससे यात्रियों के साथ-साथ रेल कर्मियों को भी काफी परेशानी हो रही है।रेल यात्रियों और कर्मियों की परेशानी को देखते हुए बुधवार को ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के नेतृत्व स्टेशन प्रबंधक लखीराम हेम्ब्रम तथा यातायात निरीक्षक ज्योतिर्मयी साहा तत्काल रामपुरहाट से बरहरवा तक स्पेशल ट्रेन चलाने हेतु को मांग पत्र सौंपा। मौके पर जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष बाबुधन मुर्मू तथा नगर परिषद की निवर्तमान अध्यक्ष मौजूद थी।तदोपरान्त ईस्टर्न रेलवे मेन्स यूनियन का प्रतिनिधि मंडल ने भी शाखा सचिव संजय कुमार ओझा के अगुवाई में मंडल रेल प्रबंधक के नाम एक ज्ञापन स्टेशन प्रबंधक पूर्व रेलवे पाकुड़ को मांग पत्र सौपा,मांग पत्र में रामपुरहाट से बरहरवा के बीच पेट्रोल स्पेशल चलाने की मांग किया गया।वही ज्ञापन सौंपने के बाद ईजरप्पा के अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व रेलवे अंतर्गत सदीनपुर,नलहटी एवं अन्य स्टेशन पर सिगनलिंग सिस्टम को दुरुस्त करने हेतु सभी पैसेंजर गाड़ियों एवं एक्सप्रेस गाड़ियों का या तो दिशा परिवर्तन कर दिया गया है या उसे रद्द कर दिया गया है जिसके कारण रामपुरहाट से लेकर बरहरवा के बीच ट्रेन की सुविधा लगभग समाप्त हो चुकी है, जिससे इस रूट के यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।श्री राय ने आगे बताया की पूरे दिन एक पैसेंजर ट्रेन तीन पहाड़ वर्धमान पैसेंजर को चलाया जा रहा है।जो अप में पाकुड़ में 10:30 बजे दिन में एवं डायरेक्शन में शाम 7:00 बजे उपलब्ध है।इस वर्तमान स्थिति में इस क्षेत्र के आम नागरिकों के लिए आवागमन बिल्कुल दुष्कर हो गया है' उन्होंने कहा कि चुंकि इस क्षेत्र में सार्वजनिक सड़क परिवहन सेवा सुलभ नहीं है ' इसके कारण मात्र रेलवे ही परिवहन का सहारा है।उक्त रेल खंड पर मालगाड़ियों का परिवहन लगातार हो रहा है एवं कुछ मुख्य गाड़ियों का परिवहन भी हो रहा है जिसका ठहराव पाकुड़ में नहीं है ' पूर्व में भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर रेल प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में पेट्रोल स्पेशल चलाई गई थी, जिससे इस क्षेत्र के आम नागरिकों के लिए एक सुविधा बहाल की थी 'उन्होंने कहा कि यात्रियों को हितों को देखते हुए हमारी मांग को पूरी करने पर रेल के अधिकारी विचार करें।वहीं मौके पर मौजूद ईस्टर्न रेलवे मेन्स यूनियन पाकुड़ शाखा के सचिव संजय कुमार ओझा ने बताया गाड़ियों का आवागमन बंद होने के कारण सभी विभाग के कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी के लिए अलग-अलग स्टेशनों पर जाने हेतु काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है एवं वापस लौट हेतु भी काफी संघर्ष करना पड़ता है।इस संबंध में मंडल रेल प्रबंधक,पूर्व रेलवे हावड़ा को पिछले 18 अगस्त 2023 को ही उनके निजी मोबाइल व्हाट्सएप पर अनुरोध भेजा गया था।आज की वर्तमान स्थिति में हम रेल प्रशासन से यह मांग करते हैं की रामपुरहाट से बरहरवा के बीच में एक पेट्रोल स्पेशल चलाई जाए जो की आम नागरिकों एवं रेलवे कर्मचारी के लिए आवश्यक है ' आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि अपने मेहनतकश कर्मचारियों के लिए एक अति आवश्यक सुविधा रेल प्रशासन द्वारा प्रदान किया जाएगा 'मांग पत्र सौपने के उपरांत स्टेशन प्रबंधक लखीराम हेम्ब्रम तथा यातायात निरीक्षक ज्योतिर्मयी साहा ने के द्वारा मांग पत्र को मंडल स्तरीय अधिकारियों को मंडल कार्यालय हावड़ा को समर्पित किया गया जिस पर रेल के पदाधिकारियों ने इस पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। मौके पर सुशील सासा, अनिकेत गोस्वामी, पार्वती देवी, सादेकुल आलम, बहादुर मंडल, अक्षय मंडल, अलीम शेख शब्बीर हुसैन, मुरारी मंडल, विपुल दास, मोनी कुमार सिंह, गुलाम अंबिया, पुरुषोत्तम राय, राम ठाकुर, नजरुल शेख, सुविकास मंडल, बरौनी मंडल, चंदन प्रसाद, शमसाद शेख सहित दर्जनों दैनिक यात्री तथा यात्रीगण मौजूद थे।

ले. सुमिता सिंह ने केन्द्रीय मंत्री व उनकी पत्नी को दिया पुस्तक व पंची

पांच छात्राओं को लेकर शैक्षणिक भ्रमण पर गयी हैं लेफ्टिनेंट सुमिता

शैक्षणिक दौरा में शामिल हैं 5 राज्यों के एकलव्य विद्यालयों के 460 छात्र

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। 22 अगस्त को जनजातीय कार्य मंत्रालय और जनजातीय विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के विद्यार्थियों की केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा; जनजातीय कार्य राज्य मंत्री, बिश्वेश्वर टुडू और रेणुका सिंह के साथ बातचीत के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में एकलव्य मॉडल बालिका प्लस टू आवासीय विद्यालय काठीजोरिया की प्रभारी प्राचार्य एवं एसोसिएट एनसीसी

ऑफिसर लेफ्टिनेंट सुमिता सिंह ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को पुस्तक और केन्द्रीय मंत्री की पत्नी को संताल महिलाओं की पारंपरिक पोशाक ''पंची'' भेंट किया। इस सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा, करियर और छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित मामलों पर विचारों, अंतर्दृष्टि और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए सार्थक बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस शैक्षणिक दौरा में झारखंड के दुमका के एकलव्य मॉडल बालिका प्लस टू आवासीय विद्यालय काठीजोरिया की पांच छात्रा सेवेनशीला मुर्मू ,नेहा मुर्मू, स्वीटी मुर्मू ,जूही मुर्मू ,सुशीला मरांडी सहित 5 राज्यों के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के 460 छात्र-छात्राएं शामिल हुई। एकलव्य विद्यालय काठीजोरिया की छात्राओं ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें अलग अनुभव प्रदान किया है। उन्हें काफी कुछ सिखने और समझने का अवसर मिला है। झारखण्ड से टीम के साथ गये लाइजेनिंग ऑफिसर ने कहा कि इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास में अत्यधिक योगदान देना है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के लिए एक मंच मिलेगा और साथ ही उनके जीवन पर एक अमिट छाप छोड़ेगा। छात्र-छात्राएं इस शैक्षणिक दौरा से 24 अगस्त को वापस झारखण्ड लौटेंगे।

जीवन और संस्कार के कवि हैं तुलसीदास : अंजनी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय दुमका के हिंदी विभाग द्वारा तुलसीदास की जयंती पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। तुलसीदास की रचनाओं के माध्यम से भारतीय समाज, जीवन तथा संस्कार के संदर्भ को परिचर्चा के माध्यम से व्यक्त किया गया। परिचर्चा की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने कहा कि तुलसी का विस्तार जीवन के संदर्भ में है। वह भारतीय समाज तथा मनुष्य के जीवन मूल्य को

अपनी रचना के माध्यम से निरूपित करते हैं। अपने वक्तव्य में उन्होंने जोड़ा की तुलसीदास की कविता ने हमारे संस्कार को निर्मित करने का कार्य किया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मयूराक्षी संस्थान के संयोजक अंजनी शरण ने अपने वक्तव्य के माध्यम से तुलसीदास की रचनाओं की वर्तमान प्रासंगिकता को बताया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास का लोकमंगल वर्तमान के संदर्भ से सबसे ज्यादा जुड़ता है। कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमार सौरभ ने तुलसीदास की रचनाओं के माध्यम से जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन किया। वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ उमा भारती ने अपने वक्तव्य में कहा कि तुलसीदास बचपन से लेकर अब तक विभिन्न चरणों को प्रभावित करने वाले कवि हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे। अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन विभाग की सहायक प्राध्यापक प्रो पुष्पा सोरेन ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ यदुवंश यादव ने किया।

विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ योगा एंड मार्शल आर्ट पर विशेष व्याख्यान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बुधवार को सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के रिसर्च और डेवलपमेंट सेल द्वारा एक विशेष व्याख्यान योगा एंड मार्शल आर्ट फॉर हेल्थ एंड विल्नेस विषय पर आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. राज सोरेन शामिल हुए. डॉ सोरेन ब्रेडफोर्ड, इंग्लैंड यूनाइटेड किंगडम में मार्शल आर्ट के कोच हैं. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर किया गया. कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. विमल प्रसाद सिंह ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया. तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राज सोरेन ने उक्त विषय सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए योगा और मार्शल आर्ट के विभिन्न आसनों और तकनीकों से सभी को परिचित कराया और कहा आज के समय में योग की महता किसी से छिपा नहीं हैं स्वस्थ शरीर के लिए योग अनिवार्य हैं. मंच संचालन स्नातकोत्तर राजनीतिक विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार सिन्हा ने किया एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने किया.

कार्यक्रम का सफल आयोजन में विश्वविद्यालय रिसर्च डेवलपमेंट सेल के समन्वयक डॉ. अब्दुस सत्तार एवं डॉ. एस एल बोंड़या ने महत्पूर्ण भूमिका निर्वाह किया. कार्यक्रम में सभी संकाय के संकायाध्यक्ष, सभी स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

बदलते वातावरण में जंगल बचाना बड़ी चुनौती है: सुनील सोरेन

सांसद ने किया केंद्रीय विद्यालय दुमका में पौधारोपण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड की उपराजधानी दुमका के धधकिया स्थित केंद्रीय विद्यालय संगठन में वन महोत्सव का आयोजन किया गया । इस महोत्सव में दुमका लोक सभा क्षेत्र के सांसद सुनील सोरेन मौजूद रहे इसके अलावा वन प्रमंडल पदाधिकारी सात्विक सहित वन विभाग के तमाम वनरक्षी , रेंज ऑफिसर ,प्रशिक्षु डीएफओ प्रबल गर्ग भी मौजूद रहे । केंद्रीय विद्यालय में बड़े पैमाने पर वन महोत्सव का आयोजन करने का उद्देश्य यह था कि आज के बदलते जलवायु और पर्यावरण को बचाने के लिए वन को संरक्षित करना आवश्यक है । वन जंगल को बचाना है और अधिक संख्या में बृक्ष को लगाना है । स्कूली छत्रों को यह बताया गया वन्य प्राणी भी जीव है सृष्टि में सभी का अपना अपना कार्य है जंगल मे शेर और हाथी रहते हैं तो जंगल सुरक्षित रहता है । डीएफओ ने कहा

कि बच्चे देश के भविष्य हैं और आने वाले दिनों में इन्हें इसका महत्व समझना जरूरी है कि पेंड को लगाने से क्या फायदा है । सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि आज के बदलते वातावरण में जंगल बचाना बडी चुनौती है लेकिन प्रयास करने से सब कुछ सम्भव है । के वी की प्रचार्या ने नमिता भंज ने कहा कि पर्यावरण को बचाना चाहिए पेंड लगाना चाहिए फल की चिंता नहीं करनी चाहिए क्योंकि पूर्वजों ने जो पहले पेंड लगाया है उसका फायदा आज की पीढ़ी ले रही है जो अब लगाएंगे उसका फायदा आने वाले समय मे जरूर मिलेगा ।

माले कार्यकर्ताओं ने बैठक कर बनाई चुनावी रणनीति

डुमरी। आइएनडीआइए गठबंधन समर्थित झामुमो के उम्मीदवार बेबी देवी के समर्थक दल भाकपा माले के प्रमुख एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक बुधवार को इसरी बाजार के मथुरासिनी भवन में हुई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में माले विधायक

बिनोद सिंह और विशिष्ट अतिथि के रुप में पूर्व विधायक राजकुमार यादव मौजूद रहे।मौके पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को विजयी बनाने के लिए क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने व प्रचार प्रसार करने का अपील किया गया।विधायक बिनोद सिंह ने कहा कि भाजपा ने जो देश व प्रदेश में नफरत व भ्रम फैला रखा है उससे लोगों में घोर नाराजगी है।कहा कि एनडीए गठबंधन झूठ और भ्रम फैलाने में माहिर है पर इस उपचुनाव में उसकी दाल नही गलने वाली है।कहा कि इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को विजयी बनाने के लिए भाकपा माले के एक एक कार्यकर्ता पूरे तन मन से जूटी है।कहा कि दो दो सांसद रहने के बाद भी गिरिडीह जिला विकास में पिछड़ा है।बैठक के बाद माले कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल से अरगाघाट तक पैदल मार्च निकाल कर आमजनों से इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार बेबी देवी को जिताने की अपील की।

इस दौरान केन्द्रीय समिति सदस्य शुभेन्दु सेन प्रदेश कमिटी सदस्य रामेश्वर चौधरी,परमेश्वर महतो डुमरी प्रखंड सचिव नागेश्वर महतो,राजू यादव,राजेश सिन्हा,जयन्ती चौधरी,पूनम महतो,खगिया देवी,पवन महतो,बगोदर उपप्रमुख हरेंद्र सिंह,जिप सदस्य लालमणि यादव,मनोज पांडेय बिरनी प्रमुख राजू बैठा,सीताराम सिंह,केदार महतो झामुमो नेता बरकत अली आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

महिजाम के शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा । जामताड़ा : शराब घोटाले के मामले में मिहिजाम के प्रतिष्ठित व्यवसाय योगेंद्र तिवारी के आवास में प्रातः सुबह 7:00 बजे से ही ईडी की छापेमारी चल रही है इस दौरान ना अंदर से कोई बाहर आ सकता है और ना बाहर से कोई अंदर जा सकता है कड़ी निगरानी के बीच में ईडी की छापेमारी चल रही है चीजों को खंगाला जा रहा है। बताते चले कि शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी ने 15 करोड़ से अधिक की अघोषित संपत्ति अर्जित की है। इसका खुलासा दो दिनों तक चले आयकर छापेमारी के बाद हुआ था। बीते 21 मार्च को आयकर विभाग की ओर से हुई कार्रवाई में जामताड़ा के शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी की कंपनी पर अघोषित आमदनी का आरोप प्रमाणित हुआ था.ल। इसके बाद आयकर विभाग ने समन जारी कर योगेंद्र तिवारी को 27 मार्च को पूछताछ के लिए हाजिर होने का आदेश दिया था। आयकर विभाग ने 21 मार्च की दोपहर में शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी के ठिकानों पर सर्वे शुरू किया था। आयकर विभाग की टीम ने कारोबारी भवानी फेरस प्राइवेट लिमिटेड को भी जांच के दायरे में लिया था। सर्वे के दौरान मिले दस्तावेज के आधार पर शराब कारोबारी की कंपनी के निदेशक संतोष मंडल ने 15 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित करने की बात स्वीकार की थी वही अभी तक छापेमारी की जा रही है।

सीसीएल के सुरक्षा कर्मियों ने 8 टन कोयला और 16 साइकिल जब्त किया

गोमिया। सीसीएल कथारा प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में बुधवार को कथारा क्षेत्र के विभिन्न कोलियरी में छापेमारी कर 8 टन कोयला और 16 साइकिल को जब्त किया वहीं 10 मोटरसाइकिल को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। उक्त कार्रवाई स्वांग और जारंगडीह कोलियरी से कोयला चोरी कर ले जा रहे चोरों के विरुद्ध की गई। इस संबंध में सुरक्षा पदाधिकारी इबरार हुसैन ने बताया गुप्त सूचना के आधार अहले सुबह क्षेत्रीय गस्ती दल एवम कथारा परियोजना के संयुक्त गस्ती दल के साथ स्वांग कोलियरी में छापामारी की गई। छापेमारी में 8 मोटरसाइकिल को पूरी तरह से छतिग्रस्त कर दिया गया। वहीं 10 साइकिल को जब्त किया गया। जब्त साइकिल को महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में रखा गया है। जबकि लगभग 6 टन कोयला जब्त कर स्वांग कोलियरी कोयला डीपो में रखा गया है। इसके बाद जारंगडीह कोलियरी में भी छपामारी की गई । छापेमारी में 2 मोटरसाइकिल को पूरी तरह से छतिग्रस्त कर दिया गया, 6 साइकिल जब्त कर महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में रखा गया एवम लगभग 2 टन कोयला जब्त कर जरंगडीह कोयला डीपो में रखा गया। गस्ती में सहायक सुरक्षा नागेश्वर नोनिया, कन्हाई, राज कुमार, संजय कुमार दास, झारखंड होम गार्ड एवम अन्य परियोजना के सुरक्षा प्रभारी साथ में जवान भी मौजूद थे।

भारतीय उद्यम रत्न से सम्मानित हुए डॉ राजकमल वर्मा

मुंबई।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। इस कार्यक्रम के संयोजक और प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सपनों के भारत को साकार करना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को लेकर जो सपना देखा है, उसे साकार करने के लिए भारत का हर नागरिक तैयार है और मैं भी उसके लिए प्रयासरत हूं, यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एक छोटा सा प्रयास है। प्रधानमंत्री के विजन को लेकर

चलना ही मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य है। प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत अभियान संगठन और आईजीआर पब्लिकेशन की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नए भारत का उदय और भारत का अमृत काल परिदृश्य के तहत विभिन्न महानुभावों ने 19 अगस्त और 20 अगस्त को मुंबई के वाय. बी चव्हाण प्रतिष्ठान में अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्मेलन में अपने विचार वक्त किया।महिला आयोग की अध्यक्षा रेणु भाटिया ने कार्यक्रम का विधिवध फीता काटकर प्रारंभ किया। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष की कहानी बताई और महिलाओं को हमेशा जीवन में मजबूती से अपनी बात रखने और न हारने की प्रेरणा दी।भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अवधेश नारायण वर्मा ने भारी पानी के संयत्र की प्रक्रिया को समझाते हुए बताया कि भारत कैसे इस क्षेत्र में तकनीक रूप से आगे बढ़कर आत्मनिर्भर बन सकता है। स्मार्ट गांव से जुड़े हुए योगेश साहू, डॉ.राजकमल वर्मा ,गौरव खुराना और मेड प्राइम तकनीकी के फाउंडर सम्राट ने अपने विचार व्यक्त किए। तकनीकी तौर पर गांव को आत्मनिर्भर बनाने की पहल करने वाले गौरव खुराना की तारीफ प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में भी कही है।सुप्रीम कोर्ट के वकील विनय दुबे ने कहा कि आत्मनिर्भरता ही देश को आगे बढ़ा सकती है। अरुण कुमार सिन्हा ने तकरीबन 10 हजार लोगों को काम दिया है, इन्हें भारतीय उद्यम रत्न से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मनाई गई महाकवि तुलसीदास जी की जयंती

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भारत सेवाश्रम संघ दुमका शाखा द्वारा संचालित स्वामी प्रणवानंद विद्या मंदिर पाथरा में आज बुधवार को महाकवि तुलसीदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गईअवसर पर सर्वप्रथम तुलसीदास के चित्र पर अथितियों द्वारा पुष्प अर्पित किया गया।विद्यालय के नन्हें - मुन्हे बच्चों द्वारा आगत अतिथियों को चंदन टीका और गुलदस्ता भेंट किया गया। बुदीलाल सोरेन,सोलेमान किस्कू, बिमल मरांडी,अनिमेष किस्कू आदि ने स्वागत भजन की प्रस्तुति दी।स्वागत भाषण भारत सेवाश्रम संघ, पाथरा के सचिव स्वामी नित्यव्रतानंद जी ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी आत्मानंद,सतन आश्रम, धधकिया,दुमका और विशिष्ट अतिथि ई. के. एन. सिंह,आशा फाउंडेशन, मंगल कुमार मंडल उपस्थित थे।मौ×के पर विद्यालय के शिक्षक जयदेव दे,सुकमोहन हेम्ब्रम, चैतन कारोवा,रुपलाल बास्की, गोविन्द यादव,बोध बोदरा,रणजीत राउत,अरिजीत प्रमाणिक,देवाशीष रायऔर विद्यालय के छात्र उपस्थित थे।कार्यक्रम में मंगल कुमार मण्डल द्वारा रामायण का संताली अनुवाद की प्रति विद्यालय के बच्चों को प्रदान की गई। रामचरित मानस,उद्यमिता उत्कर्ष, वनबंधु पत्रिका की पुस्तक आशा फाउंडेशन द्वारा विद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष चैतन कारोवा को सौंपी गई.

आपसी विवाद में एक महिला को किया लाठी से पीटकर गंभीर रूप से घायल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर थाना क्षेत्र में मामूली विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक महिला गम्भीर रुप से घायल हो गयी. प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के डांगालपाड़ा गांव में जायदा बीबी की गांव की ही रजीना खातुन से बकझक हो गयी थी.जायदा ने अपने चार साथियों को बीरभूम जिला से बुला लिया.चारों ने मिलकर रजीना खातून पर लाठी से हमला कर दिया। जिससे रजीना गंभीर रूप से घायल हो गई.प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों का हो हल्ला सुनकर चारो युवक बाइक छोड़कर घटनास्थल से भाग गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची रानीश्वर थाना पुलिस बल ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा,जहाँ चिकित्सक ने महिला की गम्भीर हालत को देखते हुए बेहतर ईलाज के लिए सिउड़ी रेफर कर दिया। पुलिस घटनास्थल से दो बाइक को जप्त कर जाँच में जुट गई है।×फलहाल महिला का ईलाज चल रहा है और खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नही हुई थी।

छात्र छात्राओं को दिखाया गया चंद्रयान 3 मिशन के लैंडिंग का लाइव प्रसारण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बुधवार को मास्टर सोबरन मांझी राजकीय पुस्तकालय दुमका में छात्र छात्राओं को चंद्रयान 3 मिशन के लैंडिंग का लाइव प्रसारण दिखाया गया. जिसमें सभी लोग इस पल के गवाह बने कि अब हम भी चंद्रमा में पहुंचने वाले देशों में आ गए है.मौके पर उपस्थित सभी छात्र छात्राओं ने कहा कि हमें अपने देश पर गर्व है. छात्र छात्राओं ने देश के विज्ञानिको को धन्यवाद दिया.

देवघर में भी ई डी की हुई कई जगह छापेमारी

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर शराब और जमीन घोटाला को लेकर रांची, धनबाद, गोड्डा, दुमका जामताड़ा के बाद ईडी की दबीस आहले सुबह घोटाले बाजों के ठिकानों पर जारी है शराब माफिया योगेंद्र तिवारी के गरीबों के यहां कई टीमों द्वारा देवघर के कई ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है जिला बिजनौर उपाध्यक्ष मुनाम संजय के आवास पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विनोदानंद झा के पोता के आवास पर योगेंद्र तिवारी के मैहर गार्डन सहित दर्जनों ठिकानों पर ईडी की कार्यवाही जारी है शराब कारोबारी के साथ-साथ इन लोगों द्वारा फर्जी कागजात के आधार पर बड़े पैमाने पर करोड़ों करोड़ों रुपए का जमीन खरीदने का आप है

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

बेहतर और गुणवत्तायुक्त सड़कों के नेटवर्क बढ़ाने पर सरकार का विशेष जोर : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा की, दिए कई अहम निर्देश

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बेहतर सड़कों के नेटवर्क से विकास को गति मिलती है। ऐसे में अच्छी सड़कों के निर्माण पर सरकार का विशेष जोर है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को पथ निर्माण विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में विभिन्न सड़क परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सड़कों का निर्माण तय समय पर पूरा हो, इसका पूरा ख्याल रखें। यदि सड़कों की गुणवत्ता को लेकर कोई शिकायत मिलती है तो संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री को पथ निर्माण विभाग के सचिव ने बताया कि राज्य में फॉरेस्ट क्लीयरेंस से संबंधित 13 सड़क परियोजनाएं हैं। इनमें पांच में वन विभाग द्वारा एनओसी मिल चुका है जबकि 8 सड़क परियोजनाएं फॉरेस्ट क्लीयरेंस की वजह से अटकी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग और पथ निर्माण विभाग आपस में समन्वय बनाकर इसका निदान निकालें।

15 हजार किलोमीटर बननी हैं ग्रामीण सड़कें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 15 हजार किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया जाना है। ऐसे में इन सड़कों के निर्माण में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण सड़कों की क्वालिटी और मजबूतीकरण से किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा। कई बार शिकायतें मिलती है कि एक तरफ सड़कें बन रहीं हैं और दूसरी तरफ से उखाड़ भी रही हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसमें जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ सरकार एक्शन लेगी। अधिकारियों ने बताया कि 15 हजार किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों में 6 हजार किलोमीटर सड़कों का डीपीआर तैयार हो चुका है और 3 हजार किलोमीटर सड़क निर्माण को स्वीकृति दी जा चुकी है।

सड़क निर्माण की मॉनिटरिंग की व्यवस्था हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जो भी सड़कें बना रही हैं, उसके निर्माण की मॉनिटरिंग होनी चाहिए। इस सिलसिले में एक पोर्टल पर सड़कों के निर्माण की लाइव वीडियो अपलोड की जाए, ताकि उसकी क्वालिटी और निर्माण की गति की पल-पल जानकारी मिलती रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सड़कों के किनारे हेलिपैड निर्माण को लेकर कार्य योजना बनाएं। इसके तहत सड़कों के उपयुक्त स्थलों को चिन्हित करें। उच्च स्तरीय बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव एल खियांगते, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल, प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव सुनील कुमार, आईजी एवी होमकर, पीसीसीएफ संजय कुमार और पीसीसीएफ शशिकर सामंता मौजूद थे।

कांग्रेस-जेएमएम को छोड़ भाजपा का साथ दे पसमांदा समाज : बाबूलाल मरांडी

रांची, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास पर भरोसा कर बिना भेदभाव के कार्य करती है। उन्होंने आह्वान किया कि पसमांदा समाज कांग्रेस-जेएमएम को छोड़ भाजपा का साथ दे और 2024 में नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनायें। मरांडी बुधवार को संकल्प यात्रा के दौरान सारठ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार को भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई सरकार करार दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन को बेचने वाले परिवार ने अब झारखंड के खनिज संपदा को दलालों बिचौलियों को बेच दिया है। खनिज संपदा की लूट मची है। बिहार बंगाल उत्तर प्रदेश के बिचौलियों व दलालों को अवैध तरीके से खनिज संपदा की लूट की खुली छूट दे दी गई है।

उन्होंने कहा कि अपराधियों को हेमंत सरकार का संरक्षण प्राप्त है। अपराध का ग्राफ पूरे देश में सर्वाधिक है। कानून राज समाप्त हो गया है। अपराधी खुले आम वसूली ले रहे हैं। थाना ब्लॉक व जिला कार्यालयों में भ्रष्टाचार चरम पर है। इस राज्य के सिंहासन से हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना है तभी विकास होगा।

मरांडी कहा कि कांग्रेस के कई प्रधानमंत्री हुए लेकिन अलग राज्य के सपने को अटल बिहारी वाजपेयी ने पूरा किया। अटल के कार्यकाल में ही गांव-गांव तक सड़क, बिजली नदी नालियों पर पुल बना लेकिन इस सरकार में बिजली आने से ज्यादा जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना काल में 80 करोड़ गरीबों के लिए अनाज भेजा लेकिन इस सरकार ने उसका भी बंदरबांट कर दिया।

उन्होंने कहा कि नल से जल योजना का कार्य भी दिल्ली मुंबई वालों को सौंप दिया और पैसों की बंदरबांट किया गया। पांच लाख रोजगार नहीं तो भत्ता देने के नाम पर युवाओं को हेमंत सरकार ने गुमराह किया। हेमंत सोरेन पिछड़ों के नाम पर झूठी राजनीति कर रहे हैं। ट्रिपल टेस्ट करवाकर पिछड़ों को उनका हक दिया जा सकता था लेकिन हेमंत सरकार ने पिछड़ों को धोखा दिया। साथ ही कहा कि नगर निकाय चुनाव नहीं करवाकर झारखंड को लूट का अड्डा बना दिया गया है।

रांची के डीआईजी ने स्मार्ट सिटी के आईसीसीसी का किया दौरा

रांची। स्मार्ट सिटी की महत्वाकांक्षी परियोजना इंटेलिजेंट कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का जनहित में कैसे बेहतर से बेहतर इस्तेमाल हो। इसको लेकर रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने बुधवार को रांची स्मार्ट सिटी स्थित इंटेलिजेंट कमांड कंट्रोल सिस्टम का निरीक्षण किया और वहां से रांची पुलिस को सुरक्षा के क्षेत्र में और रांची यातायात पुलिस को यातायात प्रबंधन के क्षेत्र में क्या सहयोग मिल रहा है , इसकी जानकारी ली। साथ ही डीआईजी ने इस बात की भी जानकारी ली की और भी क्या-क्या उपकरण है और कौन-कौन सी तकनीक है, जिनका भविष्य में पुलिस मदद ले सकती है। डीआईजी ने कहा कि स्मार्ट सिटी की ओर से स्थापित इस कमांड सेंटर और शहर में स्थापित विभिन्न उपकरणों का सही दिशा में इस्तेमाल हो रहा है और हमारी कोशिश होगी कि पुलिस इसका और अधिक से अधिक इस्तेमाल करें।

मौके पर रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के सीईओ अमित कुमार ने कहा कि रांची पुलिस यदि स्मार्ट सिटी का इंटेलिजेंट कमांड कंट्रोल सेंटर का शत प्रतिशत इस्तेमाल शुरू कर दे तो राजधानी की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन में यह सिस्टम पुलिस के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास वह तकनीकी उपलब्ध है कि हम प्रतिदिन रांची पहुंचनेवाली और रांची से बाहर जाने वाली लाखों गाड़ियों की 24 घंटे क्लोज मॉनिटरिंग करते हैं। रांची पहुंचने वाली कोई भी गाड़ी स्मार्ट सिटी के सर्विलांस कैमरों से नहीं बच सकती है। इसके साथ ही शहर की सड़कों पर प्रतिदिन दौड़ने वाली 3.5 लाख से ज्यादा गाड़ियों का पूरा रिकॉर्ड हमारे कंट्रोल रूम में उपलब्ध रहता है। आज हम एक सेंटर में बैठकर ग्रीन कॉरिडोर से लेकर क्विक रिस्पांस के लिए कई कदम उठा सकते हैं। रांची शहर का रिंग रोड हर जंक्शन पूरी तरह से सर्विलांस कैमरों से कवर्ड है। पूरे शहर में 676 कैमरों से शहर की निगरानी की जा रही है।

बैठक में रांची के सिटी एसपी शुभांशु जैन, डीएसपी अंकिता राय , रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के जीएम राकेश कुमार नंदकुलियार, जनसंपर्क पदाधिकारी अमित कुमार, प्रबंधक उत्कर्ष कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

रांची में खेल दिवस पर 29 को फुटबॉल मैच और तीन को ऑनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा

रांची। रांची के चुटिया स्थित कार्यालय में बुधवार को क्रीड़ा भारती रांची महानगर की बैठक हुई। बैठक का संचालन क्रीड़ा भारती के प्रांत उपाध्यक्ष मुनचुन राय और रांची महानगर के अध्यक्ष रवि मुंडा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 29 अगस्त को खेल दिवस के कार्यक्रमों की चर्चा की गई।मुनचुन राय ने कहा कि खेल दिवस पर तीन सितंबर को ऑनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा का आयोजन होगा। यह परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर होगी। इसमें 12 से 25 वर्ष के परीक्षार्थी भाग ले सकते हैं। यह परीक्षा आधे घंटे की होगी। परीक्षा में प्रथम पुरस्कार एक लाख, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार, तृतीय पुरस्कार 25 हजार और चतुर्थ पुरस्कार 11 हजार की होगी। परीक्षार्थी क्रीड़ा भारती के वेबसाइट में दिए गए लिंक पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। फार्म का शुल्क मात्र 20 रुपये रखा गया है।महानगर अध्यक्ष रवि मुंडा ने कहा कि 29 अगस्त खेल दिवस पर बरियातू स्थित डीआईजी ग्राउंड में एक दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन होगा, जिसमें चार टीम में भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 11 हजार और द्वितीय पुरस्कार सात हजार रखा गया है।

झारखंड में एमएसएमई सेक्टर काफी मायने रखता है : मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिपेक्ष्य में एमएसएमई सेक्टर काफी मायने रखता है। इस राज्य में इस सेक्टर के उद्योगों के विकास के लिए सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध हैं। यह बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार देने की भी क्षमता रखता है।मुख्यमंत्री बुधवार को उद्योग विभाग द्वारा छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए ₹मेक इन झारखंड₹ (परचेज प्रेफरेंस) पॉलिसी-2023 की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि एग्रो बेस्ड इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देने पर सरकार का

विशेष जोर है। ऐसे में इस पॉलिसी में इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए, ताकि इसका लाभ यहां के किसानों को मिल सके। इससे किसानों के उत्पादों का भी बेहतर सदुपयोग होगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के एंटरप्रेन्योर्स को बढ़ावा मिले। इसके लिए जरूरी है कि इनके लिए विशेष रूप से इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना हो, जहां बिजली-पानी-सड़क जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ज्यादा से ज्यादा युवाओं युवाओं को उद्योगों लगाने के लिए बढ़ावा मिले। इसके लिए कार्य योजना बनाकर उसे धरातल पर उतारें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति तथा महिलाएं उद्योग लगाने के प्रति आकर्षित हों, इसके लिए सर्विसेज सेक्टर से उन्हें जोड़ने की पहल की जाए। इसके तहत उन्हें होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल, अस्पताल, लेबोरेटरी आदि खोलने के लिए जमीन के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाए।

उपायुक्त ने की पहाड़ी मंदिर विकास समिति की बैठक, दिये कई निर्देश

रांची। उपायुक्त सह पहाड़ी मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार सिन्हा ने बुधवार को समाहरणालय में पहाड़ी मंदिर विकास समिति की बैठक आयोजित की । बैठक के दौरान उपायुक्त ने कई दिशा-निर्देश दिये। उपायुक्त ने पहाड़ी मंदिर (मुख्य) मंदिर के विस्तार पर चर्चा करते हुए पहले के बनें सारे डीपीआर का अवलोकन करते हुए पहाड़ी मंदिर के सदस्यों से उनकी राय लेते हुए कहा कि मंदिर विस्तार के लिए बिल्डिंग कॉपोरेशन डिपार्टमेंट से भी राय लेने को कहा ताकि मंदिर को बिना नुकसान पहुंचाये हुए मंदिर निर्माण की प्रक्रिया को शुरू कराया जा सकें, ताकि भक्तों को दर्शन और पूजन के लिए सहूलियत हो।

साथ ही उपायुक्त ने पहाड़ी मंदिर के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान देने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया गया ताकि पहाड़ी मंदिर खूबसूरत बनाने की दिशा में बेहतर प्रयास हो सकें। उपायुक्त ने सदस्यों से चर्चा करते हुए मंदिर विस्तार का निर्माण मंदिर विकास मद से कराने को कहा। उपायुक्त ने पहाड़ी मंदिर के चारों तरफ जाली लगा कर पहाड़ी मंदिर के आस-पास क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने को कहा, ताकि पहाड़ी मंदिर के पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया जा सकें। अतिक्रमण हटाने को लेकर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया । उपायुक्त ने मुख्य मंदिर में चांदी का और महाकाल में पीतल का अरघा की मरम्मति का कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने रांची पहाड़ी मंदिर के नाम पर किसी से भी अवैध रूप से चंदा लेने वालों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा असामाजिक तत्वों के जमावड़े को लेकर संबंधित थाना को लगातार पेट्रोलिंग करने का उपायुक्त ने निर्देश दिया। साथ ही मंदिर परिसर में बैंक खोलने की भी मांग सदस्यों ने की। इस पर उपायुक्त ने उन्हें आश्वासन दिया। उपायुक्त ने दानपात्र के सामने सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया।

मैम्प ने मोरहाबादी मैदान मेले में शमा बांधा दूर-दूर से मेला देखने पहुंच रहे हैं लोग

रांची । क्राफ्ट्स ऑफ इंडिया की ओर से मोरहाबादी मैदान में इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो 2023 का शुभारंभ हो गया है । परम शाह ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने और ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहे शिल्पकारों का सर्वांगीण विकास करना है । मेले में विभिन्न राज्यों से आए लगभग 200 शिल्पकार स्टाल लगाए हैं। जिसमें बनारसी सूट , प्रिंटेड कुर्ती , ज्वेलरी , ईत्र , पिकनिक टेबल , हेल्थ मशीन, बंगाल का कांधा वर्क आदि मेले में उपलब्ध है ।

मैम्प ने मेले में शमा बांधा

मेले घूमने आ रहे हैं लोगों की भीड़ को मेरी आवाज मेरी पहचान ने देर रात तक बैठने पर मजबूर कर दिया । पूरी टीम एक से बढ़कर एक गाने गा रहे हैं । गाना सुनकर लोग झूमने पर मजबूर हो जा रहे हैं । हर दिन अलग-अलग प्रोग्राम का आयोजन होगा । कभी डांसिंग तो कभी फैशन शो का कार्यक्रम का आयोजन होगा । दूर-दूर से मेले में पहुंच रहे हैं लोग । इस मौके पर कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष रविंद्र सिंह , झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अमरेंद्र सिंह, एक्टर देवेश खान, कृति , कृति श्रीवास्तव (महुआ मांझी की बहू) , चेंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री , आयोजक संजीव गोड़किया, राहुल चौरसिया , इंद्रजीत यादव , पुष्प रंजन , मैम्प के सह सचिव बुलंद अख्तर, सचिव आनंद जलन , मैम्प के संरक्षक परम शाह , किशन अग्रवाल और राजीव जी आदि मौजूद थे ।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त बिजली समस्याओं को लेकर विद्युत महाप्रबंधक से मिले पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी

जमशेदपुर। झारखंड प्रदेश भाजपा के सह पूर्व विधायक प्रवक्ता कुणाल षाडंगी ने बुधवार को जमशेदपुर सर्कल के विद्युत महाप्रबंधक श्रवण कुमार से मुलाकात किया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त विद्युत समस्याओं के आशय में ध्यानाकर्षित कराया एवं उचित समाधान का आग्रह किया। इस दौरान मुसाबनी भाजपा के मंडल अध्यक्ष तुषार पातर भी मौजूद रहें। कुणाल षाडंगी ने बिजली विभाग के महाप्रबंधक को बताया की मुसाबनी नं 3 एटीएफ गायत्री मंदिर के निकट बिजली सब स्टेशन में 11 केवी सप्लाई होती है तथा अन्य उपकरण पुराने और अत्यधिक प्रयोग होने के

कारण खराब हो गए हैं। इससे आये दिन केवल इंस्युलेटर पंचर तथा वेस्ट होता रहता है तथा सब स्टेशन काफी पुराने समय का है। मुसाबनी टाउन की एक बड़ी आबादी इस ट्रांसफार्मर पर आश्रित है। इसके खराब होने से करीब 1500 की आबादी प्रभावित होती है। इस ट्रांसफार्मर के खराब होने से कई महीनो से यहां के निवासी गर्मी का प्रकोप झेल रहे हैं तथा बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है।

कुणाल षाडंगी ने कहा की लोधाशोली से कटाशमारा तक 11000 वोल्ट वाले जर्जर तार को बदल कर केबुल तार लगाई जानी चाहिये, क्योंकि 11 हजार वोल्ट वाले विद्युत तार खेतों के ऊपर से गुजरते हैं जिससे कभी भी अप्रिय वारदात घटित होने की संभावना बनी रहती है। लोधाशोली से पाकुड़िया तक 11000 वोल्ट के बिजली तार भी बहुत पुराने है। थोड़ी सी हवा से ही तार टुट कर गिर जाती है जिन्हें अविलंब बदला जाना श्रेयस्कर होगा। परसुडीह विद्यासागर पल्ली महतो बागान के सामने 100 'श ट्रांसफार्मर तथा हरहरघुटू बाजार में 100 केवी नए ट्रांसफॉर्मर की आवश्यकता है ताकि भारी लोड संभाली जा सके। बिजली विभाग के महाप्रबंधक ने कहा कि जल्द से जल्द इस समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय पहल सुनिश्चित की जायेगी।

सार-संक्षेप

चंद्रयान-3 की सफलता पर कांग्रेस ने मनाया जश्न

रांची। चंद्रयान-3 की सफलता पर कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को जश्न मनाया गया। साथ ही एक-दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाईयां दी गई।इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि इसरो की आज की उपलब्धि वाकई शानदार और बेमिसाल है। आज देश ने जो सफलता हासिल किया है वो एक सामूहिक संकल्प का परिणाम है। यह किसी एक व्यक्ति का नहीं।उन्होंने कहा कि आज पूरा देश पंडित जवाहर लाल नेहरू को नमन करेगा, जिन्होंने इसरो जैसी संस्था का निर्माण कर देश का मान बढ़ाया। इस अवसर पर बन्धु तिर्की, केशव महतो कमलेश, राकेश सिन्हा, अमुल्य नीरज खलखो सहित अन्य उपस्थित थे।

हत्या मामले में तीन आरोपित दोषी करार

रांची। रांची के नेवरी इलाके में हुई नसीम अंसारी हत्याकांड मामले में बुधवार को तीन आरोपितों को अदालत ने दोषी करार दिया है। इनमें मोईद अंसारी, सज्जू खान और मोख्तार अंसारी शामिल है।

अपर न्यायायुक्त दिनेश राय की अदालत ने मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद तीनों को दोषी करार दिया है। इस संबंध में मृतक के भाई रजब अंसारी ने सदर थाना में कांड संख्या 260/2016 दर्ज कराई थी। मामले में कुल 27 से ज्यादा गवाह पेश किए। वहीं आरोपितों की ओर से अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए दो गवाह पेश किये गए। मोईद अंसारी, सज्जू खान और मोख्तार अंसारी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। सभी आरोपित को 2016 में गिरफ्तार किया गया था।

तिरंगे की आन-बान और शान चंद्रमा पर पहुंच गया: मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि तिरंगे की आन-बान और शान चंद्रमा पर पहुंच गया। देश के हमारे महान वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत, दृढ़ता और लगन की बदौलत चंद्रयान-3 आज चंद्रमा पर उतर गया। अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में देश एक बार फिर पुरजोर तरीके से स्थापित हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर इसरो की पूरी टीम सहित समस्त देशवासियों को अनेक-अनेक बधाई और जोहार।

कांग्रेस को सशक्त और धारदार बनाने के लिए प्रशिक्षण का होगा आयोजन

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष और अग्रणी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संगठन को और अधिक सशक्त और धारदार बनाने के लिए आगामी माह में जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी महासचिव, विधानसभा प्रभारी सचिव का राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी राज्य के सभी जिलों में डिजिटल प्रचार वाहन का शुभारंभ करेगा। इसके साथ ही कैग के रिपोर्ट की ओर से मोदी सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 25 अगस्त 2023 को संवाददाता सम्मेलन आहूत की जाएगी। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने अग्रणी मोर्चा के तमाम अध्यक्षों को यह निर्देश दिया कि मोर्चा संगठन जैसे महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल का एक-एक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करें और इसकी तिथि की जानकारी अविलंब प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को दें।

झारखंड में 24 अगस्त को भारी बारिश की संभावना

रांची। राज्य में पिछले कुछ दिनों से मानसून कमजोर नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में मानसून के टर्फ का असर राज्य में नजर आयेगा। झारखंड के उत्तर पूर्वी भाग में मौसम का असर साफ नजर आ रहा है। राज्य के सभी स्थानों में हल्के और मध्यम दर्जे के बारिश होने की संभावना है।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि 24 अगस्त को राज्य के पूर्वी भाग संताल कोल्हान सहित कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। आने वाले तीन से चार दिनों में बारिश की अच्छी संभावना है। इसी तरह 25 अगस्त को भी राज्य में बारिश हो सकती है। 26 अगस्त से स्थिति एक बार फिर सामान्य हो सकती है। उन्होंने संताल और राज्य के उत्तर पूर्वी इलाके में वज्रपात की संभावना जाहिर की है। मौसम विभाग ने लोगों से अलर्ट रहने के लिए कहा है

राज्य में अभी भी 38 प्रतिशत कम बारिश हुई है। 27 अगस्त को राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ बारिश की संभावना जाहिर की गयी है। मौसम विभाग ने 25 अगस्त तक बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में भी बारिश की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है।

झारखंड में शराब कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी की दबिश, 32 जगह छापा

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों में आज (बुधवार) सुबह शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी, रामेश्वर, विनय सिंह व अन्य के यहां दबिश दी है। यह टीमें झारखंड की राजधानी रांची के अलावा देवघर, धनबाद, दुमका गोड्डा समेत 32 ठिकानों पर कागजात खंगाल रही हैं।एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई रांची में सात जगह चल रही है। देवघर में जमीन घोटाले के सिलसिले में और शराब घोटाले में रांची और दुमका में योगेंद्र तिवारी के सहयोगियों के ठिकाने पर छापा मारा गया है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के शराब काकस के साथ मिलकर झारखंड के उत्पाद विभाग ने राज्य के सरकारी राजस्व को 450 करोड़ रुपये से अधिक की चपत लगाई है।झारखंड में नई शराब नीति के सलाहकार अरुण पति त्रिपाठी हैं। कथित रूप से वह ही छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के सरगना बताए जा रहे हैं।

'आतंकवाद किसी देश सीमा में बंधा नहीं है'

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी हमलों में जान गंवाने वाले दुनिया भर के लोगों को श्रद्धांजलि दी और लोगों से आतंकवाद के पीड़ितों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया।

संयुक्त राष्ट्र के इस कार्यक्रम में 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के एक पीड़ित करमबीर सिंह कांग ने कहा कि आतंकवाद किसी देश की सीमा में बंधा नहीं है और संयुक्त राष्ट्र के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संकट के खात्मे के लिए जोरदार प्रयास करने की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 अगस्त को 'आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किया है। इस दिन समूची दुनिया में आतंकवाद के कारण जान गंवाने वाले लोगों और इसके पीड़ितों को याद किया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। यह दिन वैश्विक एकजुटता के महत्व को रेखांकित करता है, साथ ही यह रेखांकित करता है कि पीड़ितों की कहानियों और अनुभवों को नहीं भुलाया गया है।

इस साल के 'आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' का विषय 'विरासत : आशा की तलाश और एक शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण' है।26 नवंबर 2008 के मुंबई हमले में 166 लोग मारे गए थे, जिसमें 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 60 घंटे से अधिक समय तक मुंबई के कई ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर लोगों को बंधक बनाकर रखा था और उनकी हत्याएं की थीं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय दिवस आतंकवादी हमलों में मारे गए और इसके पीड़ितों के असाधारण कार्य को श्रद्धांजलि देने के लिए है जिन्होंने बदलाव लाने के लिए अपने अनुभवों का उपयोग करने का संकल्प लिया है। उन्होंने लोगों से आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों और इसके पीड़ितों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया और कहा कि आतंकवाद के कारण जिन लोगों की जान गई तथा जिनकी जिंदगियां बदल गईं उन्हें कभी नहीं भुलाया जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद किया जाए। कांग ने सोमवार को आतंकवाद के पीड़ितों की याद में संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित विशेष ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा, आतंकवाद किसी देश की सीमा में बंधा नहीं है। यह कहीं भी, किसी भी वक्त कहर ढा सकता है। संयुक्त राष्ट्र को इन मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है जो विश्व भर में हमें प्रभावित करते हैं।

कांग ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि सभी देश सहयोग करें और इस संकट को समाप्त करें। यह आसान नहीं है।

पुरस्कार

केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल मंगलवार को तिरुवनंतपुरम में हरिता कर्म सेना की महिला विजेताओं को 10 करोड़ रुपये का प्रथम पुरस्कार मानसून बम्पर वितरित करते हुए।

आजादी के आंदोलन से जुड़ा लंदन का इंडिया क्लब बंद होगा

लंदन/भाषा। आजादी के आंदोलन के दौरान वीके कृष्ण मेनन सहित कई अन्य राष्ट्रवादियों के लिए बैठक के अड्डे के रूप में काम करने वाला लंदन का ऐतिहासिक इंडिया क्लब खुद को बंद किए जाने के खिलाफ वर्षों से जारी कानूनी लड़ाई हार गया है, जिसके चलते उस पर अगले महीने ताला लटक जाएगा। लंदन में स्ट्रैंड मार्ग के बीचोंबीच स्थित इंडिया क्लब के प्रोपराइटर ने कुछ साल पहले इस ऐतिहासिक बैठक स्थल और भोजनालय को ढहाए जाने के खिलाफ लड़ाई जीत ली थी, लेकिन अब इमारत के मालिकों ने इसकी जगह एक आलीशान होटल बनाने के वास्ते उन्हें नोटिस भेजा है।

प्रोपराइटर यादगार मार्कर और उनकी बेटी फिरोजा ने क्लब का अस्तित्व बनाए रखने के अपने संघर्ष के तहत 'सेव इंडिया क्लब' मुहिम शुरू की थी। हालांकि, इमारत के मालिकों से नोटिस मिलने के बाद उन्होंने क्लब को बंद करने की घोषणा की है। यादगार और फिरोजा ने कहा, हम बहुत दुखी मन से इंडिया क्लब को बंद करने की घोषणा करते हैं। इसे 17 सितंबर को आखिरी बार आम लोगों के लिए खोला जाएगा। इंडिया क्लब की जड़ें इंडिया लीग से जुड़ी हुई हैं, जिसने ब्रिटिश हुकूमत से भारत की आजादी के लिए ब्रिटेन में अभियान चलाया। क्लब के संस्थापक सदस्यों में कृष्ण मेनन भी शामिल थे, जो आगे चलकर ब्रिटेन में भारत के पहले उच्चायुक्त बने थे।

उत्तर कोरिया फिर सैन्य जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण की कोशिश कर सकता है : जापान

टोक्या/एपी। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को जापान से कहा कि वह आने वाले दिनों में एक और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। जापानी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संभवतः एक सैन्य जासूसी उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करने का उत्तर कोरिया का दूसरा प्रयास होगा।

इससे पहले, उत्तर कोरिया ने मई के अंत में अंतरिक्ष में जासूसी उपग्रह स्थापित करने का प्रयास किया था। हालांकि, उपग्रह को लेकर अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला उत्तर कोरियाई रॉकेट प्रक्षेपण के कुछ ही देर बाद समुद्र में जा गिरा था। इससे अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित करने की उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की योजनाओं को करारा झटका लगा था। उत्तर कोरिया ने पहले प्रक्षेपण में हुई गलतियों की समीक्षा करने के बाद अंतरिक्ष में सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने का दूसरा प्रयास करने का संकल्प लिया था। जापान के तट रक्षक बल ने कहा कि उत्तर कोरियाई प्राधिकारियों ने उसे 24 से 30 अगस्त के बीच एक उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना के बारे में सूचित किया है।

जब तक पाक हमारे गले की फांस बना रहेगा, हम दुनिया में अपना उचित स्थान नहीं पा सकेंगे : अय्यर

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राजनयिक और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की बहाली की पैरवी करते हुए कहा है कि जब तक यह पड़ोसी देश 'हमारे गले की फांस बना रहेगा' तब तक भारत दुनिया में अपना उचित स्थान हासिल नहीं कर सकेगा।

पाकिस्तान के वाणिज्यिक शहर कराची में दिसंबर, 1978 से जनवरी, 1982 तक भारत के महावाणिज्यदूत रहे अय्यर ने अपनी आत्मकथा 'मेमॉयर्स ऑफ ए मेवरिक' में पाकिस्तान में बतौर राजनयिक अपने कार्यकाल को एक पूरा अध्याय समर्पित किया है।

उनकी यह नई पुस्तक सोमवार को बाजार में बिक्री के लिए आई।

'जगरनॉट बुक्स' द्वारा प्रकाशित अपनी इस पुस्तक के संदर्भ में 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में अय्यर ने कहा कि उनके नौकरशाही के करियर का उच्चतम पड़ाव पाकिस्तान में उनकी महावाणिज्यदूत के रूप में था और उन्होंने कराची में अपने तीन वर्षों की राजनयिक सेवा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान में भारत की 'सबसे बड़ी पूंजी' वहां के लोग हैं जो भारत को दुश्मन देश नहीं मानते।

अय्यर ने बताया, पाकिस्तान में बतौर राजनयिक अपनी तैनाती के पहले 2-3 हफ्तों के भीतर हम एक दिन रात्रिभोज से वापस आ रहे थे, उस समय मेरी पत्नी सुनीत ने मुझसे एक सवाल पूछा कि 'यह एक दुश्मन देश है? यह सवाल कराची में रहने के दौरान मेरे में दिमाग गूंजता रहा।

रैली

कुल्लू में मंगलवार को खरल घाटी के लोगों ने धार्मिक स्थल बिजली महादेव में रोपवे के खिलाफ जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना दिया और रैली निकाली।

फिल्म 'एक परिंदा' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स ने अपनी आने वाली भोजपुरी फिल्म एक परिंदा का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। 'एक परिंदा' के फर्स्ट लुक में अभिनेता अवधेश मिश्रा, अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और रागिनी मिश्रा बहुत ही गंभीर मुद्रा में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण निर्माता रत्नाकर कुमार कर रहे हैं, वही इसके निर्देशन की कमान खुद अवधेश मिश्रा ने संभाल रखी है। वर्ल्डवाइड चैनल एंड जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत एक परिंदा के निर्माता रत्नाकर कुमार, सह निर्माता निवेदिता कुमार है। वही फिल्म लेखन एवं निर्देशन अवदेश मिश्रा ने किया है। वही फिल्म के मुख्य कलाकारों में अवधेश मिश्रा, माही श्रीवास्तव, रागनी मिश्रा, हर्षित, अनिता रावत, अनिल रस्तोगी, अनूप अरोरा, महेश आचार्य, रिंकू यादव, संतोष पहलवान, विशेष सिंह, योगेश पांडेय, जुबैर शाह, निशा पांडेय, सीमा यादव, प्रिय बिस्वास और चाइल्ड आर्टिस्ट प्रियांशी पायल है। म्यूजिक अमन श्लोक, लिरिक्स प्यारेलाल यादव(कवि जी), साहिल सुल्तानपुरी, सिंगर प्रियंका सिंह, सुगम सिंह, मनोरंजन झा, आस्था लोहार, आर्ट डायरेक्टर सिकंदर विश्वकर्मा, एक्शन दिनेश यादव का है।

रवीना ने सुष्मिता की 'ताली' की जमकर की तारीफ, कहा- 'बात में दम है'

नई दिल्ली/एजेन्सी

सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज 'ताली' के एक सीन का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस रवीना टंडन ने मंगलवार को प्रशंसा करते हुए कहा, 'बात में दम है बॉस'।

ये सीरीज ट्रांसजेंडर गौरी सावंत की लाइफ पर आधारित है, जिन्होंने अपने समुदाय के हितों के लिए लड़ाई लड़ी ताकि किन्नरों को उनका हक मिले। रवीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक सीन का स्नैपशॉट शेयर किया, जिसमें स्क्रीन पर सुष्मिता दिख रही हैं और उनका डायलॉग फ्लैश हो रहा है, इस देश को ज्यादा पालक मां की जरूरत है

'मोहरा' फेम एक्ट्रेस ने शो की निर्माता अफीफा नाडियाडवाला सईद को बधाई दी और कहा, बधाई हो अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला! बात में दम है बॉस! अफीफा ने रवीना के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, ''लव यू सो मच'' अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशानदार द्वारा निर्मित और रवि जाधव द्वारा निर्देशित, 'ताली' साहस और बदलाव की कहानी है। यह जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रवीना आखिरी बार 'वन फ्राइडे नाइट में नजर आई थीं। उनकी अगली फिल्म 'घुड़चढ़ी' है।

जो लोग ब्लैक कलर पसंद करते हैं उनका दिमाग कलरफुल होता है : काजोल

मुंबई/एजेन्सी। एक्ट्रेस काजोल ने अपने नए मोनोक्रोमैटिक फोटोशूट की पिक्चर्स फोटो-शेयरिंग एप्लिकेशन इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। फोटो में वह लॉन्ग स्लीव्स वाला गाउन पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने बालों को खुला छोड़ा हुआ है और नेक चेन से अपने लुक को पूरा किया है। काजोल की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में वह साइड पोज देती नजर आ रही हैं। वह काफी ग्रेसफुल लग रही हैं। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ''मनोवैज्ञानिक कहते है कि जो लोग ब्लैक कलर पसंद करते हैं उनका दिमाग सबसे रंगीन होता है। इस पर आप क्या कहते है? पोस्ट पर फैंस ने कमेंट सेक्शन पर तारीफों के पुल बांधे। हर कोई काजोल के लुक की तारीफ कर रहा था। वर्क फ्रंट की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार 'लस्ट स्टोरीज़ 2' में 'देवयानी' के रूप में देखा गया था। उन्होंने 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' में भी अभिनय किया, जो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग एक कानूनी ड्रामा है। उनकी अगली फिल्म 'सरजमीन' और 'दो पत्ती' हैं।

मुझे डायलॉग तब याद आते हैं जब उसमें भावनाएं होती हैं : अनुपम खेर

नई दिल्ली/एजेन्सी

अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर, जो दिलचस्प थ्रिलर 'द फ्रीलांसर' में डॉक्टर खान की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपनी तैयारी के सबसे मुश्किल हिस्से के बारे में खुलासा किया है। 'द फ्रीलांसर' में कश्मीरा परदेशी के साथ एक्टर मोहित रैना और अनुपम खेर भी लीड रोल में है। अनुपम ने कहा कि मुझे इसमें बहुत सारी लाइन्स और बहुत सारे टेक्निकल एक्सप्रेशन और शब्द सीखने पड़े। नीरज पांडे के डायलॉग्स बहुत ही क्रिस्प और प्वाइंटिड हैं। यह ख़ुशी भी है और कठिन बात भी, क्योंकि इसमें इनोशन्स कम होते हैं। मुझे डायलॉग तब याद आते हैं जब उसमें इमोशन्स शामिल होते हैं। यह कठिन था लेकिन यह फायदेमंद भी था। यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब- 'ए टिकट टू सीरिया' पर आधारित है। यह भाव धूलिया द्वारा निर्देशित है, फ्राइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित है और नीरज पांडे निर्माता और शोरनर हैं। किताब में इस्लामिक स्टेट के घातक अभियानों के बारे में कहानी साझा करने का प्रयास किया गया है कि कैसे आतंकवादी समूह ने एक क्रॉस-कंट्री ऑपरेशन को अंजाम दिया है।

'द फ्रीलांसर' में सुशांत सिंह, जॉन कोककेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस, सारा जेन डायस सहित अन्य कलाकार हैं। एक्ट्रेस कश्मीरा परदेशी आलिया की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। यह 1 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होगी।

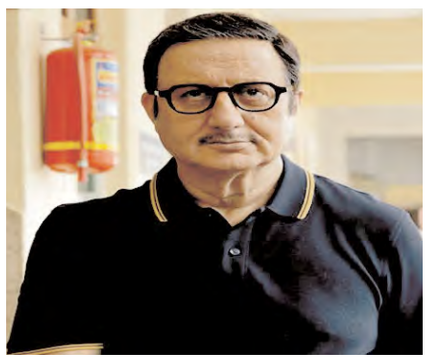

अभिनेता का काम खुद बोलता है : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

'बाला', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'ओह माय गॉड 2' जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस यामी गौतम ने कहा कि मैं इस बात पर विश्वास करती हूं कि एक अभिनेता का काम खुद बोलता है। वह इसी प्रकार की स्वीकृति चाहती हैं। यामी की फिल्मोग्राफी में 100 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्में 'बाला', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' और अक्षय कुमार स्टाटर लेटेस्ट फिल्म 'ओह माय गॉड 2' शामिल हैं। एक्ट्रेस ने कहा, ''अपनी फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिलता देखना सबसे अच्छा एहसास होता है। सारी मेहनत और समर्पण रंग लाती है। इससे बड़ी कोई अनुभूति नहीं है। मैं अपनी फिल्मों को लगातार मिल रहे प्यार और समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं।'' ''मैंने हमेशा कहा है कि एक अभिनेता का काम खुद बोलता है, और मैं कई और फिल्मों और बॉक्स ऑफिस की सफलता के लिए इसी तरह की स्वीकृति चाहती हूं। 'ओएमजी 2' भारतीय स्कूलों में यौन शिक्षा के बारे में एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे अमित राय ने लिखा और निर्देशित किया है। यह 2012 में रिलीज हुई ओएमजी-ओह माय गॉड का आध्यात्मिक सीक्वल है और इसमें अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम हैं। यामी ने 'ए थर्सडे' और 'दसवीं' जैसी हिट वेब फिल्मों में भी काम किया है। वह अगली बार 'धूम धाम' में नजर आएंगी।

'गदर-2' के बाद नई फिल्म साइन करने की जल्दबाजी में नहीं हैं सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल इस समय अपनी फिल्म 'गदर 2' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 11 अगस्त, 2023 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई। 2001 की फिल्म 'गदर' की अगली कड़ी, यह फिल्म टिकट खिड़की पर अक्षय कुमार की 'ओएमजी 2' से टकराई। 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इसी बीच सनी के 'बॉर्डर 2' करने की खबरें सुर्खियों में आ गईं। हालांकि अभिनेता कल इस बॉर्डर-2 को लेकर आधिकारिक तौर पर बयान जारी करके कहा था कि बॉर्डर-2 को लेकर जो भी समाचार चल रहे हैं वो सब गलत हैं। अभिनेता अपनी हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म के बाद नई फिल्म साइन करने की जल्दी में नहीं हैं। सनी देओल इस समय अपने फिल्मी करियर के टॉप फॉर्म में हैं। बॉलीवुड अभिनेता 'गदर 2' की रिलीज के साथ सिनेमाघरों में जादू बिखेरने में कामयाब रहे। सनी देओल अपनी कोई भी नई फिल्म साइन करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। वह अब अपने बेटे राजवीर देओल की डेब्यू फिल्म 'डोनो' पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सनी को नई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, अभिनेता का इरादा 'जवान' रिलीज होने तक कुछ हफ्तों तक 'गदर 2' का प्रचार करने का है। 'गदर 2' तारा सिंह (सनी देयोल) की कहानी है, जो अपने बेटे को बचाने के साहसी प्रयास में सीमा पार जाता है, जिसका किरदार उत्कर्ष शर्मा ने निभाया है, जिसे पाकिस्तान में पकड़ लिया गया है। फिल्म में अमीषा पटेल तारा सिंह की पत्नी सकीना का किरदार निभा रही हैं।

भगवान हनुमान को अपना सुपरहीरो मानती है अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस अदा शर्मा, जो अगली बार एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट में महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाती नजर आएंगी, ने अपने पसंदीदा सुपरहीरो के बारे में बात की है। जब अदा से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा: हनुमाजी की वीरता उनकी विनम्रता, उनकी ताकत और एकनिष्ठ भक्ति, उनके ध्यान, ज्ञान अतुलनीय है! वह उत्कृष्ट संगीतकार थे। वह छोटी मक्खी से लेकर पहाड़ के आकार के सुनहरे शरीर तक कोई भी रूप धारण करने की शक्ति रखते थे।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''वह मेरा सुपरहीरो है। अदा हाल ही में रिलीज़ कमांडो सीरीज़ में भावना रेड्डी की भूमिका निभा रही हैं। अदा ने हाल ही में हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए एक वीडियो साझा किया था जो ऑनलाइन वायरल हुआ। इसके अलावा '1920' में उनका सबसे लोकप्रिय सीन, जो उनकी पहली फिल्म थी, में हनुमान चालीसा का पाठ करना था। एक्ट्रेस को 'द केरल स्टोरी' में उनकी भूमिका के लिए सराहना मिली थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में योगिता बिहानी और सोनिया बलानी भी हैं।

भारत ने अंतरिक्ष में इतिहास रच दिया है। भारत चांद के दक्षिण ध्रुव पर यान उतारने वाला पहला देश बन गया है।

आज हर भारतवासी के दिल में खुशी है आज पूरा देश इस उपलब्धि पर गर्व और गौरव से अभिभूत है। चंद्रयान का चंद्रमा पर सफलतापूर्वक पदार्पण भारत के लिए अंतरिक्ष में व्यापारिक संभावनाओं की बड़ी सौगात लाएगा।

ऐसा पहली बार है जब भारत में चंद्रयान ३ की सफलता के लिए न सिर्फ मंदिरों में प्रार्थनाएं हुई, जगह-जगह हवन हुए बल्कि मस्जिद में भी चंद्रयान की सफलता के लिए दुआएं पढ़ी गई गिरजाघर में भी कैंडिल जलाए गए, जगह-जगह पर गुरुद्वारों में अरदास किया गया और जैन मंदिरों में भी पूजा अर्चना की गई। चंद्रयान 3 की सफलता ने न सिर्फ भारत को इतिहास रचने का मौका दिया है पहली बार पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है बहुत दिनों के बाद ऐसा पहली बार देखा गया है की सभी धर्म के लोगों ने मिलकर अपने मज़हब/धर्म से ज्यादा राष्ट्रहित को तवज्जो दिया है और भारत के लिए लिहाज से देखें तो यह खुशी की बात है। हिंदुस्तान केवल एक धर्म के लोगों से नहीं बना है,ठीक है जिसकी जितनी संख्या है उसी ने उसके अनुपात में राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दिया होगा, किंतु बाकी लोगों के योगदान को सिरे से खारिज नहीं किया सकता। आज भारत दुनिया में अपना अलग मुकाम बनाने में कामयाब हो गया है 1947 मैं जब देश आजाद हुआ तो भारत और पाकिस्तान दोनों अपनी अपनी राह चले, पाकिस्तान जहां अपनी कट्टरपंथी जमात की खिदमत और भारत के प्रति ईश्या का भाव पालकर अपने बुने हुए जाल में फंसकर उलझ गया और आज अपने नागरिकों की रोटी और अन्य जरूरी सामानो के जुगाड में अपनी उर्जा लग रहा है। वहीं भारत में पाकिस्तान द्वारा चार-चार बार दिए जख्मों को झेलकर भी अपनी कर्तव्य निष्ठा और अपने मानव शक्ति की ताकत का सही इस्तेमाल करके पूरे विश्व को अपने हुनर का लोहा मनवा रहा है। आज नफरत और डर के विकृत माहौल में जो संभावना बनी है वह संभावना हमेशा कायम रहे इसी कामना के साथ चंद्रयान की सफलता पर इस गौरव के छण को हम सबके बीच लाने वाले इसरो के समस्त वैज्ञानिकों तथा आप सभी देशवासियों को श्रमहिंदू दैनिक की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं

अपनी हदें पार करता अंध विरोध, सरकार का विरोध करते हुए देश विरोध की हद तक जाना उचित नहीं

दक्षिण भारतीय अभनिता प्रकाश राज राजनीतिक विषयों पर भी बेबाकी से बोलते हैं। वह टीवी चैनलों की बहसों में भी शामिल होते रहते हैं। उन्होंने 2019 में बेंगलुरु सेंट्रल से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था लेकिन हार गए थे। वह भाजपा के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी कटु आलोचक हैं। इसमें कोई हर्ज नहीं।

कुछ लोग किसी दल या नेता या फिर सरकार अथवा संस्था का विरोध करते-करते किस तरह देश विरोध की हद तक चले जाते हैं, इसका ताजा उदाहरण पेश किया अभिनेता प्रकाश राज ने। उन्होंने बीते रविवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) प्लेटफार्म पर चंद्रयान-3 को लेकर एक फोटो पोस्ट की। इसमें लिखा-ब्रेकिंग न्यूजः विक्रम लैंडर द्वारा चंद्रमा से आने वाली पहली तस्वीर।' यह फोटो एक कार्टून के रूप में थी, जिसमें एक मलयाली से लगने वाले व्यक्ति को अजीब सी मुद्रा में एक मग से दूसरे में चाय डालते हुए दिखाया गया था। उनकी इस पोस्ट पर लोग भड़क उठे। आम लोगों के साथ कई जाने-माने व्यक्तियों ने उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई। इस पर उन्होंने अपनी सफाई में लिखा कि वह तो यह बताना चाहते थे कि मलयाली लोग दुनिया में हर कहीं हैं और यहां तक कि चांद पर भी। उन्होंने यह भी समझाने की कोशिश की कि यदि आप मेरा मजाक नहीं समझ सके तो उपहास के पात्र आप स्वयं हैं। यह प्रश्न सहज ही उठता है कि क्या दुनिया भर में फैले मलयाली चाय बेचने के लिए जाने जाते हैं?

मार्ग-दर्शन

कल्याण की वेदी पर मातृभक्ति की बलि

आदि शंकराचार्य मात्र आठ वर्ष की आयु में ही माया-मोह से विरक्त होकर और अपनी मां के असीम स्नेह का परित्याग कर तत्वज्ञान की खोज में निकल पड़े थे। जब उनकी मां विशिष्टा देवी ने उन्हें जाने से रोका, तो उन्होंने अपनी मां को महर्षि नारद की जीवन-कथा सुनाई। जब नारद मात्र पांच वर्ष के थे तो संत-महात्माओं के मुख से हरिकथा सुनकर हरि से साक्षात मिलने के लिए व्याकुल हो गए। किंतु मां का अपार स्नेह और वात्सल्य देखकर वे गृह त्याग करने का साहस नहीं जुटा पाए। एक रात सांप ने उनकी मां को काट लिया। इससे उनकी माता की मृत्यु हो गई। नारद ने इसे ईश्वर की इच्छा मानकर पांच वर्ष की आयु में ही गृह त्याग कर दिया। यह कथा सुनाकर शंकर बोले- मां! जब नारद ने घर छोड़ा, तो वे मात्र पांच वर्ष के थे। उन्हें माता का वियोग भी सहना पड़ा, किंतु मैं तो आठ वर्ष का हूं और मैं इस विश्व में कहीं भी रहूं, किंतु आपकी छत्रछाया मुझ पर सदा रहेगी। आखिर मां, शंकराचार्य की जिद के सामने हार गईं और रोते हुए उन्हें घर से विदा किया। तब शंकराचार्य ने कहा- मैं पाषाण हृदय नहीं हूं, जो अपनी मां को रोते हुए छोड़कर जा रहा हूं। मेरी मां ने जब संतान मांगी, तो उन्हें बता दिया गया था कि पुत्र यदि अल्पज्ञ होगा तो दीर्घजीवी होगा और सर्वज्ञ होगा तो अल्पायु होगा। मां ने सर्वज्ञ पुत्र मांगा। अतः मेरे पास आयु अधिक नहीं है। मुझे कम समय में अधिक काम करने हैं। इसलिए वृहत्तर कल्याण की बलिवेदी पर मैं अपनी मातृभक्ति की बलि दे रहा हूं। सार यह है कि सामाजिक हित को व्यापक रूप से साकार करने के लिए निजी हितों की तिलांजलि देनी होती है। ऐसा करने वाले ही सच्चे अर्थों में संत होते हैं।

जीने की राह

अपने अधिकांश काम खुद ही करें

नित्य क्रियाएं सामान्य स्थिति में हम स्वयं ही करते हैं। अस्वस्थ होने पर हो सकता है कि दूसरे की मदद लेनी पड़े। इस दायरे को थोड़ा बढ़ाया जाना चाहिए। जो सांसारिक कार्य हमारे करने योग्य हों, उन्हें हम ही करें, दूसरों पर निर्भर न रहें। जब व्यावसायिक संस्थान में हम काम करते हैं, तो कार्य विभाजन का एक नियम होता है। हमें ऐसा लग सकता है कि यदि अधिकांश काम हम करेंगे, तो कार्य विभाजन के नियमानुसार दूसरे लोग क्या करेंगे, लेकिन इसका मतलब इस प्रकार न लिया जाए। 'अधिकांश काम स्वयं करें' का अर्थ है कार्यों के प्रति जागरूकता। सामान्य भाषा में इसे कहेंगे - पकड़ बनाना। जब आपका कोई अधीनस्थ कोई कार्य निपटा रहा हो, तो उस पर भी आपकी पूरी पकड़ होनी चाहिए और इसके लिए समर्पण तथा एकाग्रचित्त होना बहुत आवश्यक है। एकाग्रचित्त मन भटकता नहीं है। यदि उसे अपने आवश्यक कार्य में एकाग्रता से जुटा दिया जाए, तो आपके भीतर अन्य कार्यों के प्रति जागरूकता आ जाएगी। एकाग्र मन निरभार होता है, वरना मन आपको अपने काम नहीं करने देगा और इस असफलता के प्रति तर्क पैदा करेगा। आप कर्तव्य के सत्य को तर्क से ढंकने की कोशिश करेंगे। सत्य हमेशा तर्क से बड़ा होता है, इसलिए मन या तो तर्क का फैलाव करता है या सत्य को काटने-छांटने की कोशिश करता है और यहीं से आप तनाव में डूब जाते हैं। इसलिए कोशिश करें कि अपना काम खुद करें और उससे संबंधित कार्यों को जब दूसरे कर रहे हों तो भी जागरूक रहें।

तो विपक्ष की 'अविश्वास' वाली जिद का मकसद मणिपुर के लिए मरहम नहीं, प्रधानमंत्री मोदी का अपमान था!

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. की तरफ से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव कई मायनों में अनोखा था। ये एक ऐसा अविश्वास प्रस्ताव था जिस पर खुद उसे लाने वालों को ही 'अविश्वास' था। चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता बार-बार ये जिक्र करते रहे कि उन्हें पता है सरकार बहुमत की 'बाहुबली' है लेकिन इसे सिर्फ इसलिए लाया जा रहा है कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री का 'मौन व्रत' टूट सके। यह केंद्र सरकार के खिलाफ संभवतः ऐसा पहला अविश्वास प्रस्ताव है जिस पर वोटिंग के वक्त उसे लाने वाले ही सदन में मौजूद नहीं थे। डिविजन की नौबत ही नहीं आई, ध्वनिमत से ही अविश्वास प्रस्ताव औंधे मुंह गिर गया। सवाल उठता है कि आखिर इससे विपक्ष को हासिल क्या हुआ? इस अविश्वास प्रस्ताव ने मणिपुर हिंसा पर विपक्ष की कथित संवेदनशीलता की भी पोल खोलकर रख दी है। उनकी 'अविश्वास प्रस्ताव' की जिद में मणिपुर के लिए संवेदना नहीं बल्कि प्रधानमंत्री के अपमान का भाव था।

इतिहास में ऐसा शायद पहली बार हुआ जब विपक्ष ने किसी मुद्दे पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग की अपनी जिद को पूरा करने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लिया। मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष लगातार संसद की कार्यवाही बाधित करता रहा। उसकी मांग थी कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर सदन में बोलें। सरकार भी चर्चा को तैयार थी लेकिन गतिरोध की वजह दोनों पक्षों की जिद थी। जिद नियमों को लेकर। विपक्ष नियम 267 के तहत मणिपुर पर चर्चा की जिद पर अड़ा था तो सरकार नियम 176 के तहत चर्चा कराने की जिद पर अड़ी थी। सरकार बार-बार कह रही थी कि वह तो मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है, विपक्ष ही नहीं चाहता। दूसरी तरफ विपक्ष सरकार पर मणिपुर से चर्चा के लिए भागने का आरोप लगा रहा था। दोनों पक्षों के अड़ियल रुख से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित होती रही। लेकिन न सत्ता पक्ष को इससे कोई खास फर्क पड़ रहा था, न विपक्ष को। अचानक विपक्ष ने अपनी जिद को पूरा करने के लिए चौंकाने वाला दांव खेला। अविश्वास प्रस्ताव का दांव। ये जानते हुए भी मोदी सरकार के पक्ष में प्रचंड बहुमत है, विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया ताकि प्रधानमंत्री को बोलने के लिए 'मजबूर' किया जा सके। विपक्ष को इस दांव का इस्तेमाल करने का पूरा अधिकार भी है लेकिन उसने क्या किया?

चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता बार-बार ये जिक्र करते रहे कि उन्हें पता है सरकार बहुमत की 'बाहुबली' है लेकिन इसे सिर्फ इसलिए लाया जा रहा है कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री का 'मौन व्रत' टूट सके। यह केंद्र सरकार के खिलाफ संभवतः ऐसा पहला अविश्वास प्रस्ताव है जिस पर वोटिंग के वक्त उसे लाने वाले ही सदन में मौजूद नहीं थे। डिविजन की नौबत ही नहीं आई, ध्वनिमत से ही अविश्वास प्रस्ताव औंधे मुंह गिर गया। सवाल उठता है कि आखिर इससे विपक्ष को हासिल क्या हुआ? इस अविश्वास प्रस्ताव ने मणिपुर हिंसा पर विपक्ष की कथित संवेदनशीलता की भी पोल खोलकर रख दी है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू की। पक्ष-विपक्ष के तमाम सांसदों ने इस चर्चा में हिस्सा लिया। अपने भाषणों में ही गौरव गोगोई और अधीर रंजन चौधरी जैसे नेता कहते रहे कि इसे लाने का मकसद सिर्फ प्रधानमंत्री का 'मौन व्रत' तोड़ना है। दोनों पक्षों की तरफ से एक दूसरे पर जोरदार हमले हुए। बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर हिंसा पर विस्तार से अपनी बात रखी। विपक्ष को राजनीति के बजाय समाधान और शांति की राह में सहयोग करने की अपील की। अगले दिन गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव अपनी बात रखी। विपक्ष अपनी जिद में कामयाब हो चुका था। प्रधानमंत्री सदन में बोल रहे थे। जब वह विपक्ष और कांग्रेस पर बेरहम हमले किए जा रहे थे तब विपक्षी सांसद मणिपुर पर बयान की मांग को लेकर नारे लगा रहे थे। लेकिन प्रधानमंत्री जबतक मणिपुर मुद्दे पर आते, विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। प्रधानमंत्री ने इस पर तंज भी कसा कि विपक्ष को सिर्फ सुनाने की आदत है, गाली देने की आदत है लेकिन उनमें सुनने का धैर्य नहीं है। पीएम ने अपना भाषण पूरा किया। उसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करने वाले गौरव गोगोई का नाम पुकारा, चर्चा का जवाब देने के लिए। लेकिन गोगोई तो सदन में मौजूद ही नहीं थे। जिस नेता ने अविश्वास प्रस्ताव लाया, वही उस पर वोटिंग के वक्त मौजूद नहीं था। आखिरकार ध्वनिमत से अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया।

विपक्ष की जिद थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर हिंसा पर बोलें। लेकिन जब उन्होंने मणिपुर के मुद्दे पर बोला तो सदन में विपक्षी सदस्य ही नदारद थे। विडंबना देखिए कि जिस जिद के लिए विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाया, जब वह पूरा हो रहा था तो विपक्षी सदस्य उस पल का गवाह ही नहीं बने। अगर विपक्ष मणिपुर पर प्रधानमंत्री से बयान चाहता था तो उसे सुनना भी चाहिए था। वॉकआउट से विपक्ष ने आखिर क्या और किस तरह का संदेश दिया? विपक्ष का वॉकआउट बताता है कि मणिपुर पर उसकी कथित संवेदना, कथित वेदना और कुछ नहीं बल्कि सिर्फ और सिर्फ राजनीति है। उनका मकसद मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री से बयान दिलवाना नहीं, बल्कि उनका अपमान करना था। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कई विवाद भी हुए। राहुल गांधी के फ्लाइंग किस पर विवाद हुआ। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और बीजेपी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त के बीच तो हाथापाई तक की नौबत आ चुकी थी। अधीर जब अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर हमले कर रहे थे तभी बीजेपी सांसद वीरेंद्र सिंह बड़े ही आक्रामक अंदाज में उनकी तरफ दौड़े लेकिन बीजेपी के ही दूसरे सांसदों ने उन्हें रोक लिया। बाद में बीजेपी सांसद ने अपनी हरकत के लिए माफी मांगी। स्पीकर ने अधीर रंजन को 'अमर्यादित आचरण' के लिए तबतक सस्पेंड कर दिया है जबतक कि विशेषाधिकार कमिटी जांच करके इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं करती। संसद के भीतर विमर्श का गिरता स्तर और पक्ष-विपक्ष का एक दूसरे के प्रति अमर्यादित व्यवहार को कहीं से भी शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता।

क्या करेंगे पवार

जब से एनसीपी का एक धड़ा अजित पवार की अगुआई में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल का हिस्सा बना है, तभी से पार्टी के सर्वोच्च नेता शरद पवार के रुख में एक तरह की अनिश्चितता दिख रही है। यह अनिश्चितता विरोधियों को ही नहीं, उनके सहयोगियों और समर्थकों को भी उलझन में डाल रही है। शुरू में उन्होंने बहुत स्पष्टता के साथ कहा कि वह अजित पवार के इस कदम को सहन नहीं करेंगे और भले ही उनकी उम्र ज्यादा हो गई हो, लेकिन बीजेपी की इस चाल के खिलाफ रैलियां कर कार्यकर्ताओं और वोटरों को एकजुट करेंगे। लेकिन उसके बाद पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने का कार्यक्रम हुआ तो विपक्षी नेताओं की सार्वजनिक अपीलों की अनदेखी करते हुए उस कार्यक्रम में शामिल होने चले गए। इससे पहले वह अजित पवार की सार्वजनिक आलोचना करने से तो बचते ही रहे हैं, अलग-अलग मौकों पर तीन बार उनसे मुलाकात भी कर चुके हैं। खासकर तीसरी मुलाकात ज्यादा चर्चित हुई क्योंकि इसे कथित तौर पर गोपनीय रखने की भी कोशिश की गई। शिवसेना (उद्धव ग्रुप)

और प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इससे गठबंधन में भ्रम की स्थिति बन रही है और शरद पवार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अपने तईं शरद पवार ने यह स्पष्टीकरण जरूर दिया कि उनके विचार बीजेपी से अलग हैं और इसीलिए वह कभी बीजेपी में जाना मंजूर नहीं करेंगे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनके कई शुभचिंतक हैं जो उन्हें इसके लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। साफ है कि बीजेपी से हाथ मिलाने का सुझाव देने वाले लोग अगर शरद पवार की नजर में आज भी शुभचिंतक बने हुए हैं तो विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए थोड़ा चिंतित और आशंकित होना स्वाभाविक है। आम तौर पर राजनीति में और खासकर शरद पवार की राजनीति में पत्थर की लकीर जैसा कुछ नहीं होता, ऐसा उन्हें जानने वाले कहते रहे हैं, लेकिन थोड़ी देर को उनकी कही इस बात को पत्थर की लकीर मान लिया जाए कि वह कभी बीजेपी में शामिल नहीं होंगे तो भी उनके जैसा बड़ा नेता बीजेपी में गए बिना भी उसे निर्णायक फायदा पहुंचाने के हजार रास्ते निकाल सकता है। यह बात भी है कि मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा और केंद्र में संसद का एक पूरा सत्र संपन्न हो जाने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि एनसीपी के कितने विधायक व सांसद अजित पवार के साथ हैं और कितने शरद पवार के साथ। इसीलिए विपक्षी खेमे में बेचैनी है और वह चाहता है कि समय रहते यह बात शीशे की तरह साफ हो जाए कि शरद पवार का मन किस तरफ है। लेकिन ऐसा लगता है कि इस पर निर्णायक चर्चा अब इंडिया गठबंधन की मुंबई में प्रस्तावित बैठक में ही होगी और वहीं यह भी साफ होगा कि शरद पवार के कदम आखिरकार किस तरफ बढ़ने वाले हैं।

हाय रे मौसम

इस साल मुंबई और दिल्ली में 61 वर्षों के बाद मॉनसून एक साथ आया। मुंबई वालों को मॉनसून के जल्द आने की आदत है तो दिल्ली वालों को गर्मी से राहत के लिए इसका लंबा इंतजार करने की। इसी साल दुनिया के कई हिस्सों ने जबरदस्त हीट वेव भी देखी। कहा गया कि यूरोप वालों की गर्मी के वेकेशन का मजा इस साल हीट वेव की वजह से बेमजा हो गया। दुनिया और देश के महानगरों में इसके लिए जलवायु परिवर्तन को कसूरवार बताया जा रहा है, लेकिन इन सबसे अलग देश के कई इलाके हैं, जहां बारिश ने बहुत देर से दस्तक दी। इनमें पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड भी शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश ऐसा इलाका है, जहां सूखे की मार कम ही पड़ती है। इस साल धान की बुआई के बाद फसल जिंदा रखने के लिए किसानों को ट्यूबवेल के भरोसे रहना पड़ा। जून के आखिर से यहां आमतौर पर बारिश होने लगती है, लेकिन इस बार मॉनसून अगस्त में पहुंचा।

पिछले कुछ दिनों में अच्छी बारिश से धान के पौधे हरे हो गए

हैं, जबकि इससे पहले की बारिश की बूंदें खेत की प्यास बुझाने में खप गईं। यहां के किसानों की भाषा में कहें तो 'धरती ऐतना जरत रहे कि पहिलका बरखा के पानी बरसते ही सोख लेहलस।' जलवायु परिवर्तन की मार लोगों के रहन-सहन पर भी पड़ी है। गर्मी बढ़ने से मेरे गांव में लोगों ने एयरकंडिशनर लगाना शुरू कर दिया है। इस सिलसिले की शुरुआत उन लोगों ने की, जो कोरोना महामारी के दौरान महानगरों से गांव लौटे और तब तक यहीं से काम करते रहे, जब तक कि कंपनी ने वर्क फ्रॉम होम खत्म नहीं कर दिया। एसी लगने की शुरुआत की एक वजह यह भी है कि बिजली की सप्लाई बेहतर हुई है। वैसे, इस बारे में भी लोगों की राय राजनीतिक आधार पर बंटी हुई है। कुछ लोग कहते हैं कि राज्य में समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो पता रहता था कि बिजली कब-कब नहीं रहेगी। कुछ का कहना है कि बीजेपी की सरकार के आने के बाद बिजली की सप्लाई 16-18 घंटे तक पहुंच गई है। लेकिन यह सब उन लोगों की बातें हैं, जो गांव के समृद्ध लोग हैं और जिनका परिवार पूरी तरह खेती पर आश्रित नहीं है। गांव के ज्यादातर लोगों के लिए किसी के घर में एसी लगना अभी भी कौतूहल का विषय, विलासिता की निशानी और दिखावे की चीज है। और हां, ग्रीन हाउस इमिशन का जरिया भी, जो जलवायु परिवर्तन की बड़ी वजह है। गांवों में इस बीच पोखर-तालाब खत्म होते गए। महुआ, जामुन, आंवला, आम के पेड़ों की संख्या भी कम हुई। बरगद के पेड़ भी अब पहले की तरह नहीं दिखते। ट्यूबवेल वाली खेती की वजह से भूजलस्तर गिरता गया। तीन-चार दशक पहले फसलों की जो विविधता थी, वह खत्म हो गई। ऐसे में अगर जलवायु परिवर्तन देश, दुनिया, शहर, गांव सब पर असर डाल रहे हैं तो इसे हमारी चेतना में लाना होगा। इसके असर को कम करने की जुगत लगानी होगी।

दैनिक पंचांग

24 अगस्त 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.26 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	09.37 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.52 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	14.08 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	16.13 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.59 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	19.32 बजे से
राहु	मेष में	मेष	21.03 बजे से
केतु	तुला में	वृष	22.43 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	00.41 बजे से
		कर्क	02.54 बजे से
		सिंह	05.10 बजे से

गुरुवार 2023 वर्ष का 236 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 03.11 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 09.04 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 20.36 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 15.27 बजे तदनन्तर बव 03.11 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 07.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871715
जूलियन दिन 2460180.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर **तारीख** 07
विशेष दुर्गाष्टमी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 24 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

प्रसंगतः क्रोध कदापि न करो

ईसा मसीह ने अपने शिष्यों को आदेश दिया, 'अच्छाई का प्रचार-प्रसार करो। केवल उपदेश देने में समय न गँवाना, अपने हाथों से रोगियों, असहायों व अनाथों की सेवा का आदर्श भी उपस्थित करना जरूरी है।' ईसा ने एक प्रकार के दीक्षांत भाषण में कहा, 'अपना उद्देश्य निर्धारित करो कि बीमारों को निरोग बनाना है, दुष्टात्माओं को दुर्व्यसनों से मुक्ति दिलाकर अच्छे रास्ते पर चलाना है। किसी के घर में प्रवेश करते ही प्रेमपूर्वक उसकी सहायता की पेशकश करनी है। यदि कोई स्वागत न करके कटु वचन बोले, तो भी उस पर क्रोध कदापि न करना। ईसा जानते थे कि धन संग्रह की प्रवृत्ति भय, कलह आदि को जन्म देती है। इसलिए उन्होंने कहा, 'अपने बटुओं में सोना, चाँदी, सिक्के आदि बिलकुल न रखना। अधिक वस्त्रों का संग्रह न करना। भिक्षा में जो भोजन मिल जाए, उसी से संतुष्ट रहना। ईसा को यह भी मालूम था कि जब दुष्ट प्रवृत्ति के लोग उनका उत्पीड़न करने से बाज नहीं आए, तो शिष्यों को भी ऐसे कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उन्होंने कहा, 'लोग तुम्हारा विरोध करेंगे, यहाँ तक कि कोड़े भी मारेंगे। बहुत सावधानीपूर्वक शांति व धैर्य बनाए रखना। यह समझ लेना कि वह शरीर को क्षति पहुँचा सकते हैं,

फायदेमंद है ममा का क्रिएटिव होना

क्रिएटिव काम या मनपसंद काम को करने से जो पॉजिटिव एनर्जी आपको मिलती है वो बच्चे के साथ समय गुजारने में आपकी मदद करती है। वहीं भावनात्मक तौर पर भी आप मातृव की जिम्मेदारी उठाने के लिए और मजबूत बनती हैं।

नई-नई मम्मी बनी महिलाओं के अलावा ये खबर 'ममी टू बी 'ज' के लिए भी बेहद अच्छी है। एक शोध ने बताया है कि पार्ट टाइम काम करने वाली या किसी भी अन्य क्रिएटिव काम में बिजी रहने वाली मम्मियाँ कई तरह की परेशानियों से दूर रह सकती हैं। चलिए मुद्दे पर आते हैं। असल में पिछले दिनों हुए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि वे महिलाएँ, जिन्होंने कुछ ही महीने या हफ्ते पहले बच्चे को जन्म दिया हो, अगर पार्ट टाइम किसी संस्थान में काम करती हैं या फिर घर में बच्चे की देखभाल से बचे समय में पेंटिंग, संगीत, लेखन या अन्य किसी क्रिएटिव काम से जुड़ी रहती हैं तो वे तनाव, डिप्रेशन आदि से काफी हद तक दूर रहती हैं। यही नहीं अन्य महिलाओं की तुलना में ऐसी महिलाएँ ज्यादा स्वस्थ भी रहती हैं और उनके बच्चे भी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। असल में किसी भी काम में व्यस्त रहने से आपका दिमाग उन नकारात्मक चीजों में उलझने से बच जाता है जो आपको खाली बैठे में घेर सकती हैं। चाहे फिर वे नकारात्मक भावनाएँ या उलझनें आपके परिवार, आस-पड़ोस या अन्य किसी भी मुद्दे से जुड़ी क्यों न हों। साथ ही क्रिएटिव काम या मनपसंद काम को करने से जो पॉजिटिव एनर्जी आपको मिलती है वह बच्चे के साथ समय गुजारने में आपकी मदद करती है। वहीं भावनात्मक तौर पर भी आप मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने के लिए और मजबूत बनती हैं। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप सेहत को नुकसान पहुँचाकर कोई काम शुरू करें या अपने आराम के समय से समझौता करें। असल बात सिर्फ मानसिक तौर पर आपके किसी क्रिएटिव चीज में डूबने से जुड़ी है। यानी दिमाग को अच्छी खुराक मिलेगी और आप बच्चे के साथ को और भी अच्छी तरह एंजॉय कर पाएँगी।

...हर एक दोस्त जरूरी तो होता है

हर वक्त की जरूरत होती है दोस्ती...। हर खुशी को सेलिब्रेट करने के लिए दोस्त चाहिए तो हर गम को गलत करने के लिए दोस्तों की दरकार होती है। गलत नहीं है विज्ञापन की ये लाइनें- हर एक फ्रेंड जरूरी होता है।

एक उम्र में तो दोस्ती हर रिश्ते से ऊपर होती है। जीवन के हर अनुभवों के सहभागी, सुख-दुख के साझीदार दोस्त ही हुआ करते हैं। बचपन के दोस्त, आस-पड़ोस के दोस्त, स्कूल के दोस्त, कॉलेज के और फिर करियर के दोस्त। चाहे परिजन इस बात की शिकायतें करते रहें, लेकिन दोस्त, बस दोस्त ही होते हैं। हमारे राजदार और भरोसेमंद... चाहे परीक्षा की तैयारी हो, कॉम्पिटिशन, इंटरव्यू, गाड़ी खराब होना, पैसे खत्म हो जाना, गर्लफ्रेंड से बहाना बनाना हो या फिर मम्मी से छुपकर बॉयफ्रेंड के साथ किसी पार्टी में जाना, मॉम-डैड से बहाना बनाना, टूर पर जाने की परमिशन लेना, बहन की शादी हो या फिर माँ की बीमारी, बर्थ-डे पार्टी हो या रिजल्ट का टेंशन, प्यार होना, दिल टूटना, पहली सफलता का जश्न हो या फिर पहली असफलता की निराशा- हर वक्त की जरूरत होती है दोस्ती...। हर खुशी को सेलिब्रेट करने के लिए दोस्त चाहिए तो हर गम को गलत करने के लिए दोस्तों की दरकार होती है। गलत नहीं है विज्ञापन की ये लाइनें- हर एक फ्रेंड जरूरी होता है। दोस्त होना एक तरह की योग्यता है, जबकि रिश्तेदारी भाग्य...। अच्छा दोस्त होने के लिए कई तरह की शर्तें होती हैं, तभी तो वह दोस्त हो पाता है। इसके उलट रिश्तेदारी तो हमें जन्मजात विरासत में मिलती है। जैसी भी हो हमें उसे निभाना ही है, जबकि दोस्ती में ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती, इसलिए कड़वाहट भी नहीं। नौकरी के सिलसिले में जब आराधना के माता-पिता उसे छोड़ने पुणे गए तो माँ को अनजाना-सा डर था और पिता को चिंता कि आराधना कैसे-क्या करेगी? वहाँ पहुँचकर जब वे बेटी के दोस्तों से मिले तो उन्हें लगा कि अब किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। उसके दोस्तों ने जिस तरह दौड़धूप कर आराधना के लिए छोटी-बड़ी चीजें जुटाईं, उससे दोनों को इत्मीनान हो गया कि आराधना को यहाँ किसी भी किस्म की दिक्कत नहीं होगी। व्यावहारिक जीवन में दोस्तों का रुतबा और अहमियत क्या है, ये वे युवा ज्यादा अच्छे से समझ सकते हैं, जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में अपना घर छोड़ दिया है। कहा भी जाता है न कि दोस्ती हमें प्यारी होती है, क्योंकि दोस्त हम चुनते हैं, जबकि हमें रिश्ते चुनने की सुविधा नहीं मिलती है। होता यह है कि जिंदगी के बहुत सारे मामलों में हमें अपने खून के रिश्तों से ज्यादा भरोसा दोस्तों पर होता है। इसके कारण कई होते हैं। शायद सबसे पहला और बड़ा कारण तो यह कि दोस्ती का मामला दिल का होता है और ये एक तरह की केमेस्ट्री होती है, जो दो लोगों के बीच साथ रहते, एक-दूसरे को जानते हुए विकसित होती है। इसमें बस एक अनजाना और अनदेखा धागा होता है, जो लोगों को जोड़ता है। असल में दोस्ती की ताकत का एहसास भावनात्मक संकट के समय ज्यादा होता है। दिल का टूटना, कोई असफलता, अपनों को खोना, व्यापार में नुकसान या फिर नौकरी से हाथ धोना ऐसे मामलों में हम रिश्तेदारों से ज्यादा दोस्तों पर भरोसा करते हैं। इस भरोसे का आधार ये अनुभव है कि दोस्त हमारे दुख को, हमारी मन:स्थिति को और हमारी पीड़ा को समझेगा। हमें इससे उबरने में मदद करेगा, साथ ही हमारी पीड़ा को कभी सार्वजनिक नहीं करेगा, न ही हमारी असफलता का कभी मजाक बनाएगा। हम उन पर अपनों से ज्यादा भरोसा करते हैं और इस दृष्टि से दोस्त ज्यादातर मामलों में हमें निराश नहीं करते हैं।

बाजरे के ढोकल

सामग्री-

1 कटोरी बाजरे का आटा, 1/2 कटोरी बेसन, 1/2 कटोरी उड़द दाल पिसी हुई, नमक स्वादानुसार, खाने का मीठा सोडा, बारीक कटा हरा धनिया, हरी मिर्च 1/2-1/2 चम्मच, हल्दी व लालमिर्च पावडर 1 चम्मच, राई व तेल पर्याप्त, दही घोल के लिए।

विधि-

दही को अच्छे से फेंट लें। उसमें बाजरे का आटा, बेसन व दाल (पिसी को) छानकर डालें। नमक डालकर 3-4 घंटे के लिए ढँककर रख दें। फिर इसमें मीठा सोडा व बाकी सभी सामग्री को डालकर अच्छे से मिला लें। अब कूकर के डिब्बे में तेल लगाकर इस घोल को डालें और टब में तेल लगाकर इस डिब्बे को 15-20 मिनट के लिए रख दें। भाप में पकनें दें, जब पक जाएँ तो निकाल लें। ठंडा होने पर पीस काट लें। ऊपर से राई का छौंक लगा दें, हरे धनिए की चटनी के साथ सर्व करें।

हेल्थ प्लस

थाली से बोरियत भगाएँ ये अनाज भी अपनाएँ

ब्राउन राइस : में मैग्नीशियम, आयरन, सेलीनियम, मैगनीज, विटामिन बी-1, बी-2, बी-3 और बी-6 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसमें फाइबर भी पर्याप्त मात्रा में होता है। इसके अलावा यह प्रोटीन का भी भंडार होता है। उसे आप भले ही चावल के रूप में खाते हैं। लेकिन इसमें आटे की भाँति पौष्टिकता होती है और यह वजन बढ़ने की समस्या से भी हमें बचाए रख सकते हैं।

मक्का : का सेवन डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा हृदय रोग व हाइपरटेंशन से भी बचाए रखने में सहायक होता है। मक्का हमें न केवल प्रतिदिन मेटाबॉलिज्म के लिए पर्याप्त कैलोरीज उपलब्ध करवाता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन ई और अन्य खनिज लवण पर्याप्त मात्रा में होते हैं।

जई : पौष्टिकता से भरपूर अनाज होता है। इसका आजकल नाश्ते में सेवन करना सहेत के लिहाज से उत्तम माना जाता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर और विटामिन ई भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कुल मिलाकर एक पौष्टिक, स्वादिष्ट भोज्य पदार्थ होने के कारण यह संपूर्ण आहार माना जाता है।

जौ : इसमें घुलनशील फाइबर काफी मात्रा में पाया जाता है। यह हमारे रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। इसके अलावा यह रक्त में ग्लूकोज के स्तर को भी संतुलित करता है। इसमें वसा की मात्रा न के बराबर होती है। इसका इस्तेमाल सूप को गाढ़ा बनाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा आजकल पौष्टिकता के नजरिए से इनका उपयोग बिस्कुट और बेकरी की अन्य चीजों में भी किया जाता है। पकी हुई जौ का इस्तेमाल यदि सलाद की ड्रेसिंग के लिए किया जाता है, तो इससे हमें अतिरिक्त फाइबर मिलता है।

जुवार : में विटामिन बी, और विटामिन ई, मैग्नीशियम, फाइबर, आयरन, काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें कई प्रकार के एंटी ऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। यह हमारे शरीर को विभिन्ना कार्डियो वैस्कूलर बीमारियों से बचाने में सहायक होता है। इसके अलावा यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित करता है। जुवार का सेवन वजन कम करने के लिए भी किया जाता है। इसमें फाइबर काफी मात्रा में पाया जाता है। इसे खाने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती।

बाजरा : एक पौष्टिक आहार के रूप में जाना जाता है। इसमें विटामिन, खनिज लवण, स्टार्च, एमीनो ऐसिड, प्रोटीन और फाइबर काफी मात्रा में पाया जाता है। कब्ज की शिकायत में इसका सेवन लाभदायक होता है।

रागी

भी बहुत जल्दी पचने वाला पौष्टिक आहार है। इसमें कैल्शियम, फाइबर, आयरन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

इसमें वसा की मात्रा न के बराबर होती है। यह हड्डियों की मजबूती को बढ़ाता है। इसके अलावा डर, तनाव, इंसोमेनिया और डिप्रेशन जैसी स्थितियों में इसका सेवन शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। आपका रोजमर्रा का सामान्य भोजन यानी चावल-दाल, सब्जी-रोटी पौष्टिकता के लिहाज से बेहद अच्छा व फायदेमंद होता है। पर यदि आप चावल और गेहूँ जैसे अनाजों की एकरसता से बोर होने लगे हैं, तो और भी कई पौष्टिक अनाज आपके भोजन का हिस्सा बन सकते हैं। अपने सामान्य भोजन के साथ इन्हें भी आजमाएँ। सर्दियों में तो ये और भी फायदेमंद हो जाते हैं।

खुशनुमा मौसम के सेहतमंद टिप्स

- सर्दियों में रोज ईपीओ (इविनिंग प्राइमरोज ऑइल) की 1000 एमजी की गोली खाएं ताकि शरीर की नमी बरकरार रह सके। इसे पूरी सर्दियों के तीन महीनों तक खाना है। रोज रात को ऐसा माइश्चराइजर लगाएं जो लंबे समय तक टिक सकता हो। इसमें स्क्वालेन, हायाल्यूरोनिक एसिड, इसेंशियल फैटी एसिड्स आदि रसायन भरपूर मात्रा में डले हों।
- दिन में ऐसी सनस्क्रीन वापरें जिसका सन प्रोटेक्शन फैक्टर 25 या उससे अधिक हो।
- पैरों में मोजे अवश्य पहनें। रात को केसरयुक्त दूध लें।
- दो अंजीर दूध में 5 घंटे भिगोकर प्रतिदिन सेवन करें। इससे आपके पेट की सफाई होगी।
- सर्दियों में हर दिन एक अखरोट खाएं इससे आपकी दिमागी शक्ति बढ़ेगी।
- सप्ताह में एक दिन गुनगुने तेल से मालिश करें।
- इन दिनों घी और मक्?खन खाना लाभदायक होता है।
- जौ, ज्वार, मक्का और बाजरे की रोटी स्वाद के साथ सेहत का भी? खजाना होती है।
- टमाटर की चटनी और बथुए के पराठे युवाओं के लिए उपयुक्त होंगे।

खतरनाक हो सकते हैं गले के रोग

हम में से बहुतों को खासकर बच्चों को अक्सर सर्दी-खांसी होती रहती है। यह बहुत ही साधारण बीमारी होती है व कुछ दिन रहकर ठीक हो जाती है। यह एक सामान्य बात है, परंतु इसके दूरगामी परिणाम भयावह होते हैं। होता गले का इंफेक्शन है, परंतु हृदय के वाल्व तथा किडनी (गुर्दे) इसके शिकार हो सकते हैं। एक विशेष कीटाणु के खिलाफ शरीर के प्रतिरोध शक्ति द्वारा बनाए हुए इम्यून कॉम्प्लेक्स हृदय के वाल्व या किडनी के ऊपर अटैक कर देते हैं। किडनी के ऊपर हुए असर के कारण उसके द्वारा रक्त की शुद्धिकरण की क्रिया पर असर होता है। इसे नफ्राइटिस कहते हैं। इस वजह से गुर्दे कुछ समय के लिए फेल हो जाते हैं। मूत्र कम बनता है तथा उसमें खून भी आता है। हाथ-पैरों में सूजन आती है तथा ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। ज्यादातर केसों में यह तकलीफ उपचार से ठीक हो जाती है, किंतु बार-बार के इंफेक्शन से या एक बार में ही ज्यादा संक्रमण हो तो गुर्दे भी फेल हो सकते हैं। उसी तरह हृदय के वाल्व पर इसका असर होता है तो कालांतर में वाल्व या तो सिकुड़ जाते है या उनकी कंपन गति कमजोर हो जाती है जिसकी वजह से खून के संचालन में बाधा आती है। खासकर बाईं तरफ के वाल्व में यह खराबी होती है जिसे माइट्रल या एओरटिक कहते हैं। कई बार हृदय इस वजह से फूलने लगता है या खून का प्रेशर उसमें बढ़ने लगता है, अत: जब भी गला खराब हो उसे गंभीरता से लें। बुखार की दवाओं के साथ-साथ एंटीबायोटिक का पूरी मात्रा में सेवन करें। वैक्सीन लगाने से भी इंफेक्शन की रोकथाम की जा सकती है। खान-पान की तरफ ध्यान दें, विटामिन सी का सेवन करने से बीमारी से बच सकते हैं। तंग बस्ती में रहने वाले तथा जहां पर वायु प्रदूषित हो वहां यह बीमारी ज्यादा होती है। अगर हृदय का वाल्व खराब हो गया हो तो लंबे समय तक हृदय रोग की दवाइयों के साथ पुन: इंफेक्शन ना हो इसके लिए पेनिसिलिन नामक एंटीबायोटिक निश्चित मात्रा में समय-समय पर लगानी पड़ती है। अगर इससे एलर्जी है तो अन्य एंटीबायोटिक का सेवन करना चाहिए। समय-समय पर हृदय के चेकअप से वाल्व की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। कालांतर में अगर खराबी ज्यादा है तो वाल्व का ऑपरेशन भी करना पड़ सकता है। अत: सावधानी बरतें और गले की खराबी से बचें।

आई क्यू पर पूरे जीवन भर रहता है जीन का असर

एक ताजा अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि जीन का प्रभाव हमारी आई क्यू यानी बौद्धिक क्षमता पर पूरे जीवन भर रहता है। अध्ययन के मुताबिक जीन का चौथाई परिवर्तन पूरे जीवन की बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। हालांकि क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी पक्के तौर पर यह पता नहीं लगा है कि कौन से जीन बौद्धिक क्षमता से संबंधित हैं लेकिन इन जीनों का असर किसी व्यक्ति पर पूरे जीवन रहता है। शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता में परिवर्तन का ज्यादा असर पर्यावरण से प्रभावित है। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने ऐसे दो हजार लोगों का अध्ययन किया जिन्होंने 1932 से 1947 के बीच अपनी बौद्धिक क्षमता के परीक्षण करवाए थे। इस शोध के आधार पर वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे अब जीन और बौद्धिक क्षमता में रिश्ते को आसानी से समझा जा सकेगा। साथ ही यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि आखिर क्यों कुछ लोगों की बौद्धिक क्षमता समान उम्र वाले दूसरे लोगों से अधिक होती है। प्रमुख शोधकर्ता प्रो. विस्सर का कहना है कि इन परिणामों से पता चलता है कि कैसे पर्यावरण से जुड़े पहलू भी हमारी बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करते हैं। साथ ही इस शोध से डिमेंशिया जैसी बीमारियों से लड़ने में भी मदद मिलेगी।